

भारत गणतंत्र की सरकार तथा गण प्रजातंत्री बंगलादेश
की सरकार के बीच विमान सेवाओं के सम्बन्ध में करार

भारत गणतंत्र की सरकार तथा गण प्रजातंत्री बंगलादेश की सरकार,
जिन्हें आगे "संविदाकारी पक्ष" कहा गया है ;

इसे दृष्टि में रखते हुए कि दोनों देशों के भू-भागों के बीच तथा उनसे
परि समानता तथा पारस्परिकता के आधार पर विमान सेवाएं स्थापित करना और
नागर विमानन के क्षेत्र में उनके संबंधों को मजबूत करना वांछनीय है ;

इस विश्वास के साथ कि विमान सेवाएं स्थापित करने से दोनों राष्ट्रों
के बीच मैत्री एवं सौहार्द की भावना को बनाये रखने व प्रोत्साहित करने में सहायता
मिलेगी ;

तथा सुरक्षा, नियमित, कुशल एवं मितव्ययी हवाई परिवहन की
आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ;

और उक्त प्रयोजनों के लिए एक करार करने की इच्छा से ;

निम्नलिखित बातों पर सहमत हुई हैं ;

अनुच्छेद 1

जब तक प्रसंग से कोई अन्य अर्थ अभीष्ट न हो, प्रस्तुत करार के प्रयोजन
के लिए :-

- (क) "वैमानिक प्राधिकारी" पद का आशय भारत गणतंत्र के संबंध में
नागर विमानन का महानिदेशक या कोई ऐसा व्यक्ति या निकाय
होगा जिसे उन कार्यों के करने के लिए प्राधिकृत किया गया हो
जिन्हें इस समय उक्त महानिदेशक द्वारा किया जाता है ;
- (ख) "वैमानिक प्राधिकारी" पद का आशय गण प्रजातंत्री बंगलादेश के
संबंध में नागर विमानन का महानिदेशक या कोई ऐसा व्यक्ति या
निकाय होगा जिसे उन कार्यों के करने के लिए प्राधिकृत किया गया
हो जिन्हें इस समय उक्त महानिदेशक द्वारा किया जाता है ;

-: 2 :-

- (ग) 'नामित विमान कम्पनी' पद का आशय एक ऐसी विमान कम्पनी से है जिसे एक सौवदाकारी पदा ने प्रस्तुत करार के अनुच्छेद 3 के अनुसार दूसरे सौवदाकारी पदा को लिखित सूचना दे कर नामित किया है ;
- (घ) 'भू-भाग', 'विमान सेवा', 'अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा' तथा 'यातायात से भिन्न प्रयोजनों के लिए रुकना' पदों से आशय वही है जो 7 दिसम्बर, 1944 को शिकागो में हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत किए गए अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन अभिसमय के अनुच्छेद 2 व 96 में उनके लिए क्रमशः निर्दिष्ट किया गया है ।

अनुच्छेद 2

प्रत्येक सौवदाकारी पदा दूसरे सौवदाकारी पदा को प्रस्तुत करार के अनुबंध में निर्निर्दिष्ट मार्गों पर अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं (जिन्हें आगे 'निर्निर्दिष्ट मार्ग' तथा 'सम्मत सेवाएं' कहा गया है) स्थापित करने के प्रयोजन के लिए प्रस्तुत करार में निर्निर्दिष्ट अधिकार देता है ।

2. प्रस्तुत करार के उपबंधों के अधीन रहते हुए प्रत्येक सौवदाकारी पदा की विमान कम्पनी को, अनुसूचित सेवाओं का परिचालन करते समय, निम्नलिखित अधिकार प्राप्त होंगे :-

(क) बगैर उतरे हुए सौवदाकारी पदा के भू-भाग से हो कर उड़ान करना ;

(ख) यातायात से भिन्न प्रयोजनों के लिए दूसरे सौवदाकारी पदा के भू-भाग में रुकना ।

3. निर्निर्दिष्ट मार्ग पर सम्मत सेवाओं का परिचालन करते समय, एक सौवदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी को दूसरे सौवदाकारी पदा के भू-भाग में उन स्थानों पर, जो प्रस्तुत करार के अनुबंध में निर्निर्दिष्ट कर दिए गए हैं यात्रियों, माल तथा डाक के अंतरराष्ट्रीय यातायात को उतारने व चढ़ाने के प्रयोजन के लिए रुकने का अधिकार होगा ।

4. इस अनुच्छेद के किसी भी अंश का अर्थ किसी एक संविदाकारी पदा की विमान कम्पनी को यह अधिकार देना नहीं समझा जाएगा कि वह दूसरे संविदाकारी पदा के भू-भाग में यात्रियों, माल अथवा डाक के ऐसे यातायात को भी चढ़ा सके जिसका गंतव्य दूसरे संविदाकारी पदा के भू-भाग में ही कोई अन्य स्थान हो ।

5. एक संविदाकारी पदा के ऐसे कानून, विनियम और अनुदेश जो वायुयान के इस संविदाकारी पदा के भू-भाग में प्रवेश करने, वहाँ से प्रस्थान करने अथवा उसके अन्दर परिचालन करने के संबंध में लागू होते हैं, वे दूसरे संविदाकारी पदा के वायुयान पर भी, उक्त संविदाकारी पदा के भू-भाग में ही कर सेवा परिचालन के दौरान लागू होंगे ।

अनुच्छेद 3

प्रत्येक संविदाकारी पदा को यह अधिकार होगा कि वह विनिर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं के परिचालन के प्रयोजन के लिए दूसरे संविदाकारी पदा को लिखित रूप में एक या अधिक विमान कम्पनियों नामित करे ।

2. नामन की सूचना प्राप्त होने पर, दूसरा संविदाकारी पदा अपने ही वैमानिक प्राधिकारियों के माध्यम से इस अनुच्छेद के पैरा 3 व 4 के उपबंधों के अधीन रहते हुए नामित विमान कम्पनी को अविलम्ब यथोचित परिचालन अधिकार दे देगा ।

3. एक संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारी दूसरे संविदाकारी पदा द्वारा नामित विमान कम्पनी से इस बात का आश्वासन मांग सकते हैं कि वे उनके द्वारा अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं के परिचालन पर सामान्य रूप से लागू किए जाने वाले कानूनों और विनियमों के अधीन विहित शर्तों का पालन करने के लिए सक्षम हैं ।

4. यदि कोई संविदाकारी पदा इस बात से संतुष्ट न हो कि उन विमान कम्पनियों का वास्तविक स्वामित्व और प्रभावी नियंत्रण यथा पर्याप्त रूप से दूसरे संविदाकारी पदा अथवा उसके राष्ट्रों में निहित है तो उसको यह अधिकार होगा कि वह ऐसी विमान कम्पनी के नामन को स्वीकार करने से इन्कार कर दे या प्रस्तुत करार के अनुच्छेद 2 के पैरा 3 में विनिर्दिष्ट अधिकारों की मंजूरी को रोक दे अथवा

ऐसे अधिकारों के प्रयोग के संबंध में विमान कम्पनी पर ऐसी शर्तें लाया दे जिन्हें वह आवश्यक समझे ।

5. इस अनुच्छेद के अंतर्गत नामित और प्राधिकृत की गयी विमान कम्पनी सम्मत सेवाओं का परिचालन किसी भी समय प्रारंभ कर सकती है बशर्ते कि अनुच्छेद 8 और 10 की अपेक्षाओं का अनुपालन किया जा चुका हो ।

अनुच्छेद 4

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष अपने पास यह अधिकार प्रारंभित रखता है कि यदि दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामित विमान कम्पनी ने पहले संविदाकारी पक्ष के कानूनों तथा विनियमों का अनुपालन न किया हो, अथवा उन शर्तों को पूरा नहीं किया गया हो जिनके अधीन प्रस्तुत करार के अनुसार अधिकार दिए गए हैं, अथवा नामित विमान कम्पनी का वास्तविक स्वामित्व और प्रभावी नियंत्रण अब दूसरे संविदाकारी पक्ष अथवा इसके राष्ट्रों में निहित न रहा हो, तो वह परिचालन प्राधिकार को निलम्बित अथवा प्रतिबंधित कर सकेगा या उस पर ऐसी उचित शर्तें ला सकता जिन्हें वह उचित समझे । जब तक कि संबंधित संविदाकारी पक्ष के कानूनों तथा विनियमों अथवा प्रस्तुत करार के किसी उपबंध के इससे और आगे अतिक्रमण को रोकने की दृष्टि से परिचालनों का तुरंत निलम्बन अथवा शर्तों का लाया जाना आवश्यक न समझा जाए, तब तक इस प्रकार की कार्यवाही प्रस्तुत करार के अनुच्छेद 12 के अनुसार संविदाकारी पक्षों के बीच सलाह-मशविरा करके ही की जाएगी ।

अनुच्छेद 5

कोई भी संविदाकारी पक्ष अपने भू-भाग में दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामित विमान कम्पनी के विमानों द्वारा विमानदोत्रों तथा अन्य विमानन सुविधाओं के उपयोग के लिए उन प्रभारों से अधिक प्रभार न लेता जो उसी प्रकार की अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं में जो पहले संविदाकारी पक्ष की अपनी राष्ट्रीय विमान कम्पनी के विमानों द्वारा उकार जाते हैं ।

निर्धारित किए जायें तथा उनके चालू किए जाने से पूर्व दोनों संविदाकारी पदाओं के वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए जायें । यदि नामित विमान कम्पनियां सहमत न हो सकें तो मामले को संविदाकारी पदाओं के वैमानिक प्राधिकारियों के पास भेज दिया जाएगा ।

2. संविदाकारी पदाओं की नामित विमान कम्पनियों द्वारा सहमत टैरिफों को यथाशीघ्र, तथा किसी भी हालत में उनके चालू किये जाने की प्रस्तावित तारीख से कम से कम 60 दिन पूर्व, दोनों संविदाकारी पदाओं के वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा । यदि दोनों में से कोई भी वैमानिक प्राधिकारी उक्त टैरिफों की प्राप्ति की तारीख से 45 दिनों के अंदर-अंदर अपनी असहमति प्रकट नहीं करते तो उन्हें अनुमोदित हुआ समझा जाएगा ।

3. यदि टैरिफ इस अनुच्छेद के पैरा 1 के अनुसार निर्धारित नहीं किए जाते अथवा इस प्रकार निर्धारित किए गए टैरिफों को किसी भी संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारी अस्वीकार कर देते हैं, तो संविदाकारी पदाओं के वैमानिक प्राधिकारी, यथाशीघ्र, आपसी सहमति द्वारा टैरिफों को निर्धारित करने का प्रयत्न करेंगे । यदि संविदाकारी पदाओं के वैमानिक प्राधिकारी ऐसा करने में असमर्थ रहते हैं, तो मामले को निपटान के लिए संविदाकारी पदाओं के पास भेज दिया जाएगा ।

अनुच्छेद 11

दोनों संविदाकारी पदाओं के वैमानिक प्राधिकारी प्रस्तुत करार के प्रवर्तन तथा अर्थ-निर्वचन के संबंध में नियमित रूप से विचारों का आदान-प्रदान करते रहेंगे ।

अनुच्छेद 12

दोनों में से कोई भी संविदाकारी पदा प्रस्तुत करार में कोई भी संशोधन करने के लिए किसी भी समय विचार-विमर्श का अनुरोध कर सकता है । यदि दोनों में से कोई भी संविदाकारी पदा यह समझे कि अनुच्छेद 11 के आशय के अनुसार विचार-विनिमय अनिर्णीत रहा है तो वह प्रस्तुत करार के अर्थ-निर्वचन तथा उसे लागू करने से

दोनों में से किसी भी संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा सम्मत सेवाओं पर परिचालित वायुयान एवं ऐसे वायुयान में रहे हुए उनके नियमित उपस्कर, ईंधन व स्नेहकों के भंडार तथा विमान सामग्री (जिसमें खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ तथा तम्बाकू भी सम्मिलित होंगे) दूसरे संविदाकारी पदा के भू-भाग में पहुँचने पर सीमा-शुल्क, निरीक्षण फीस तथा इसी प्रकार के अन्य प्रभारों से मुक्त होंगे बशर्ते कि ऐसे उपस्कर तथा भंडार पुनर्नियमित किए जाने तक विमान पर ही रहें। इस प्रकार शुल्क-मुक्त किये गये उपस्कर तथा भंडार दूसरे संविदाकारी पदा के सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की निगरानी और नियंत्रण के बिना विमान से उतारे, स्टोर अथवा प्रयुक्त नहीं किए जायेंगे।

2. निम्नलिखित वस्तुएं भी उपर्युक्त शुल्कों, फीसों तथा प्रभारों से मुक्त होंगी, परंतु की गयी सेवाओं से संबंधित प्रभारों से मुक्त नहीं होंगी :-

(क) दोनों में से किसी भी संविदाकारी पदा के भू-भाग में उस संविदाकारी पदा के प्राधिकारियों द्वारा निश्चित की गयी सीमाओं में विमान पर ले जाई गयी विमान सामग्री (जिसमें खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ तथा तम्बाकू भी सम्मिलित हैं), जिसका कि दूसरे संविदाकारी पदा के अंतरराष्ट्रीय सेवा पर लगे विमान पर प्रयोग किया जाना हो ;

(ख) दोनों में से किसी भी संविदाकारी पदा के भू-भाग में विमान पर लाए अथवा रहे गए फालतू पुर्जे, जिनमें उनके हिस्से-पुर्जे भी शामिल हैं, जो दूसरे संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा प्रयुक्त हिस्से-पुर्जों विमान में लगाने अथवा उनके संधारण, मरम्त या ओवरहाल के लिए हों ;

(ग) दूसरे संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा सम्मत सेवाओं पर परिचालित वायुयान को दिर जाने वाले ईंधन तथा स्नेहक, चाहे इनका प्रयोग यात्रा के उस भाग पर ही किया जाना हो जो उस संविदाकारी पदा के भू-भाग के ऊपर से जायें जहां से ये विमान पर लिए गए हैं।

ऊपर उप-पैरा (क), (ख) और (ग) में निर्दिष्ट सामग्री को सीमा-शुल्क अधिकारियों की निगरानी अथवा नियंत्रण में रखे जाने अथवा प्रयोग किए जाने को कहा जा सकता है ।

3. कोई भी संविदाकारी पदा दूसरे संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी को तब तक सीमा-शुल्क, निरीक्षण फीस तथा इसी प्रकार के अन्य प्रभारों से छूट अथवा माफी देने के लिए बाध्य नहीं होगा जब तक कि दूसरा संविदाकारी पदा पहले संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी को ऐसे ही शुल्क, फीस अथवा प्रभारों से छूट अथवा माफी प्रदान नहीं कर देता ।

अनुच्छेद 7

प्रत्येक संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी को विनिर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं के परिचालन में सब प्रकार से उचित तथा समान अवसर प्राप्त होंगे ।

2. एक संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा सम्मत सेवाओं के परिचालन में यह ध्यान रखा जाएगा कि दूसरे संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी के हितों की हानि न हो ताकि दूसरा पदा उस सारे मार्ग अथवा उसके किसी भाग में जो सेवाएं चलाता है उस पर कोई अनुचित प्रभाव न पड़ने पाए ।

3. प्रदान की जाने वाली धारिता तथा परिचालित की जाने वाली सेवाओं की संख्या उतनी ही होगी जितनी कि इस अनुच्छेद के पैरा 1 व 2 में विहित सिद्धांतों के अनुसार, तथा संयुक्त रूप से सम्मत यातायात की अनुमानित अपेक्षाओं को ध्यान में रख कर, संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारियों के बीच सहमत होगी ।

4. प्रदान की जाने वाली धारिता तथा दोनों पदों में से किसी भी संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा परिचालित की जाने वाली सेवाओं की संख्या उतनी ही होगी जितनी कि वैमानिक प्राधिकारियों के बीच सहमत होगी । जब तक इस प्रकार की सहमत या फैसला न हो जाए तब तक धारिता तथा सेवाओं की संख्या के बारे में जो अधिकार पहले से लागू हैं, वे ही लागू रहेंगे ।

5. इस अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार सम्मत प्रकार से प्रदान की जाने वाली धारिता एवं परिचालित की जाने वाली सेवाओं की संख्या का स्पष्ट उल्लेख संविदाकारी पदाओं के वैमानिक प्राधिकारियों के बीच होने वाले पत्रों के विनिमय में किया जाएगा ।

अनुच्छेद 8

प्रत्येक संविदाकारी पदा अपनी नामित विमान कम्पनी से दूसरे संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारियों की विमान सेवा के प्रकार, उपयोग किए जाने वाले वायुयान के प्रकार, उड़ानों की अनुसूचियों, टैरिफ अनुसूचियों से संबंधित सूचना तथा सम्मत सेवाओं के परिचालन से संबंधित अन्य सभी संगत सूचनाओं को, जिनमें ऐसी सूचनाएं भी सम्मिलित होंगी जो वैमानिक प्राधिकारियों को पर्याप्त रूप से इस बात की तसल्ली कराने के लिए आवश्यक हों कि प्रस्तुत करार की शर्तों का आवश्यक पालन हो रहा है, सम्मत सेवाओं के परिचालित होने से पहले जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी भिजवाएगा । सम्मत सेवाओं से संबंधित किसी भी परिवर्तन पर भी इस अनुच्छेद की शर्तें इसी प्रकार लागू होंगी ।

अनुच्छेद 9

दोनों में से किसी भी संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारी दूसरे संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारियों को अपनी विमान सेवाओं द्वारा प्रत्येक मास में दूसरे संविदाकारी पदा के भू-भाग को या भू-भाग से ले जाए गए यातायात संबंधी आंकड़े भेजा जिनमें ऐसे यातायात के चढ़ने और उतरने के स्थानों का विवरण भी रहेगा । ऐसे आंकड़े मांग किए जाने पर शीघ्रातिशीघ्र भेज दिए जाएंगे और किसी भी हालत में उस अवधि के, जिस अवधि से वे संबंधित हैं, 90 दिनों के अंदर-अंदर अवश्य भेज दिए जाएंगे ।

अनुच्छेद 10

विनिर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं पर यात्रियों, माल व सामान के वहन के लिए एक संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा लिए जाने वाले टैरिफ दोनों संविदाकारी पदाओं की नामित विमान कम्पनियों के बीच सहमति द्वारा

संबंधित मामलों पर भी विचार-विमर्श का अनुरोध कर सकता है। इस प्रकार का विचार-विमर्श अनुरोध की तारीख से 60 दिन की अवधि के भीतर आरंभ कर दिया जाएगा। दोनों संविदाकारी पक्षों के बीच सहमत हुआ कोई भी संशोधन परस्पर सहमति से निर्धारित तथा राजनीयक पत्रों के आदान-प्रदान द्वारा अनुसमर्थित की गयी तारीख से लागू होगा।

अनुच्छेद 13

याद प्रस्तुत करार के अर्थ-निर्वचन अथवा लागू करने के संबंध में कोई भी विवाद हो तो पहले संविदाकारी पक्षों के वैधानिक प्राधिकारी परस्पर वार्ता द्वारा उसका फैसला करने का प्रयत्न करेंगे; जिसके असफल होने पर विवाद को फैसले के लिए दोनों संविदाकारी पक्षों के पास भेज दिया जाएगा।

अनुच्छेद 14

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामित विमान कम्पनी को विनिर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं के परिचालन के परिणामस्वरूप सर्वे निकाल कर बची आय को निर्बाध रूप से विनिमय योग्य मुद्रा में अपने मुख्यालय को हस्तांतरित करने का अधिकार प्रदान करेगा बशर्ते कि सम्बद्ध संविदाकारी पक्ष की मुद्रा नियंत्रण औपचारिकताओं की पूर्ति कर दी गयी हो।

अनुच्छेद 15

प्रस्तुत करार का अनुबंध करार का ही अंग माना जाएगा।

2. प्रस्तुत करार उस पर हस्ताक्षर होने की तारीख को लागू हो जाएगा।

-: 10 :-

अनुच्छेद 16

दोनों में से कोई भी संविदाकारी पदा दूसरे संविदाकारी पदा को किसी भी समय इस आशय का लिखित नोटिस दे सकता है कि वह वर्तमान करार को समाप्त करना चाहता है। यदि इस प्रकार का नोटिस दिया जाता है और यदि दूसरे संविदाकारी पदा को नोटिस मिलने के बारह महीने की अवधि से पहले ही समाप्त कर के यह नोटिस वापस न ले लिया जाए तो उक्त अवधि के समाप्त पर यह करार समाप्त हो जाएगा।

आज दिनांक 5 मई 1978 को आज्ञा में छः मूल प्रांतियों पर, जिनमें अंग्रेजी, हिन्दी तथा बंगाली भाषाओं में से प्रत्येक की दो-दो प्रांतियां हैं और जो सभी पाठ समान रूप से प्रामाणिक हैं, हस्ताक्षर किए गए। यदि अर्थ-निर्वाचन के सम्बन्ध में कोई मतभेद हो तो अंग्रेजी पाठ ही प्रामाणिक माना जाएगा।

के पी एस मेनन

(के.पी.एस. मेनन)

कृते भारत गणतंत्र की सरकार

श्रीमती सुमित्रा

(ए.बी.एन. सुमित्रा)

कृते गण प्रजातंत्र की सरकार

अनुबंध

खण्ड 1

गण प्रजातंत्री बंगलादेश की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी को इस खण्ड में विनिर्दिष्ट मार्गों पर दोनों दिशाओं में सम्मत सेवाएं परिचालित करने और भारत गणतंत्र के भू-भाग में इस खण्ड में निर्दिष्ट स्थानों पर यातायात के प्रयोजनों के लिए उतरने का अधिकार प्राप्त होगा ।

<u>उद्गम स्थान</u>	<u>मध्यवर्ती स्थान</u>	<u>भारत गणतंत्र के स्थान</u>	<u>आगे के स्थान</u>
1. बंगलादेश	-	कलकत्ता	-
2. बंगलादेश	-	बम्बई	(क) बहरीन अथवा दुबाई ; (ख) बगदाद अथवा काहिरा ; (ग) स्थन्स अथवा वेल्डोड अथवा पूर्वी बॉलिन अथवा प्रेग ; (घ) फ्रैंकफर्ट अथवा ब्रुसेल्स अथवा एम्स्टर्डम ; (ङ) लन्दन ।

- टिप्पणियां : (1) बंबई फ्रैंकफर्ट बंबई सेक्टर पर गण प्रजातंत्री बंगलादेश की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी किसी यात्री यातायात का वहन नहीं करेगी ।
- (2) उपर्युक्त स्थानों के लिए सेवाएं उल्लिखित क्रम में परिचालित करना आवश्यक नहीं है ।
- (3) नामित विमान कम्पनी को विनिर्दिष्ट मार्गों पर उल्लिखित किसी भी स्थान अथवा स्थानों को छोड़ जाने की छूट होगी ।
- (4) 'आगे के स्थान' कालम में दो अथवा दो से अधिक स्थानों के बीच जब 'अथवा' शब्द का प्रयोग किया जाए तो उसका अर्थ यह होगा कि नामित विमान कम्पनी को अपनी समस्त सेवाओं पर प्रत्येक सेट में से केवल एक ही स्थान से हो कर परिचालन करने का अधिकार होगा । ऐसे स्थान के चयन करने के विमान कम्पनी को दिये गये अधिकार का प्रयोग वह प्रत्येक छ. महीने में केवल एक बार ही कर सकेगी और उस अवधि के दौरान उसे उसी सेट के संबंध में दूसरी बार स्थान चयन का अधिकार नहीं होगा ।

KSH

खण्ड 2

भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी को इस खण्ड में विनिर्दिष्ट मार्गों पर दोनों दिशाओं में सम्मत सेवारं परिचालित करने और गण प्रजातंत्र। बंगलादेश के भू-भाग में इस खण्ड में विनिर्दिष्ट स्थानों पर यातायात के प्रयोजनों के लिए उतरने का अधिकार प्राप्त होगा।

उद्गम स्थान	मध्यवर्ती स्थान	गण प्रजातंत्र। बंगलादेश के स्थान	आगे के स्थान
1. भारत	-	(क) ढाका (ख) चिट्टागाव	-
2. भारत	-	ढाका	(क) रंगून अथवा हनोई अथवा भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी द्वारा पर्थ और सिडनी में से चुना जाने वाला आस्ट्रेलिया का कोई एक स्थान ; (ख) विंस्टोन अथवा सेगोन अथवा जकार्ता अथवा मनीला ; (ग) हांगकांग अथवा सिंगापुर अथवा भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी द्वारा कुआला लम्पुर और पेनांग में से चुना जाने वाला मलेशिया का कोई एक स्थान ; (घ) ओसाका ; (ङ) टोकियो ।

- टिप्पणियाँ : (1) ढाका। सिंगापुर। ढाका सेक्टर पर भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी किसी यात्री यातायात का वहन नहीं करेगी।
- (2) उपर्युक्त स्थानों के लिए सेवारं उल्लिखित क्रम में परिचालित करना आवश्यक नहीं है।
- (3) नामित विमान कम्पनी को विनिर्दिष्ट मार्गों पर उल्लिखित किसी भी स्थान अथवा स्थानों को छोड़ जाने की छूट होगी।
- (4) भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी एक ही उड़ान पर ढाका तथा चिट्टागाव के लिए सेवारं परिचालित नहीं करेगी।
- (5) 'आगे के स्थान' कालम में दो अथवा दो से अधिक स्थानों के बीच जब 'अथवा' शब्द का प्रयोग किया जाए तो उसका अर्थ यह होगा कि नामित विमान कम्पनी को अपनी समस्त सेवाओं पर प्रत्येक सेट में से केवल एक ही स्थान से हो कर परिचालन करने का अधिकार होगा। ऐसे स्थान के चयन करने के विमान कम्पनी को दिये गये अधिकार का प्रयोग वह प्रत्येक छः महीने में केवल एक बार ही कर सकेगी और उस अवधि के दौरान उसी सेट के संबंध में दूसरी बार स्थान चयन का अधिकार नहीं होगा।

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার

এবং

প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের মধ্যে

বিমান চলাচল চুক্তি

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার এবং প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকার অতঃপর ইহাতে "চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণ" বলিয়া অভিহিত;

সমতা ও পারস্পরিক সম্পর্ক ও সুবিধার ভিত্তিতে উভয় দেশ তাঁহাদের ভূখণ্ডের মধ্যে ও উহার দ্বিধারে বিমান চলাচল পরিচালনা করা এবং বেসামরিক বিমান চলাচলের ক্ষেত্রে তাঁহাদের সম্পর্ক জোরদার করা বাঞ্ছনীয় বিবেচনা করতঃ;

বিমান চলাচল প্রচলন জনগণের মধ্যে বন্ধুত্ব ও সমঝোতা সংরক্ষণ ও উন্নয়নে সহায়তা করিবে এই মনোভাব পোষণ-পূর্বক;

নিরাপদ, নিয়মিত, দক্ষ এবং নিতর্যায়ী বিমান পরিবহনের আবশ্যিকতা মনে রাখিয়া;

এবং উপরি-উক্ত উদ্দেশ্যে একটি চুক্তি সম্পাদনের ইচ্ছা পোষণ করিয়া নিম্নরূপ নীতিকে উপনীত হইয়াছেন:

১ম অনুচ্ছেদ

প্রসঙ্গের প্রয়োজনে অন্যরূপ না হইলে, এই চুক্তির উদ্দেশ্যে:—

- (ক) "বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ" বলিতে, প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের ক্ষেত্রে, বেসামরিক বিমান চলাচল সংক্রান্ত মহাপরিচালক অথবা তিনি বর্তমানে যে সকল দায়িত্ব পালন করিয়া থাকেন সেই সকল দায়িত্ব পালনের জন্য ক্ষমতাপ্রাপ্ত যে কোন ব্যক্তি বা ব্যক্তিবর্গকে বুঝাইবে;
- (খ) "বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ" বলিতে, গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশের ক্ষেত্রে, বেসামরিক বিমান চলাচল সংক্রান্ত মহাপরিচালক অথবা তিনি বর্তমানে যে সকল দায়িত্ব পালন করিয়া থাকেন সেই সকল দায়িত্ব পালনের জন্য ক্ষমতাপ্রাপ্ত যে কোন ব্যক্তি বা ব্যক্তিবর্গকে বুঝাইবে;
- (গ) "নির্ধারিত বিমান সংস্থা" বলিতে, এই চুক্তির ৩য় অনুচ্ছেদ মোতাবেক চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষ অপর পক্ষের নিকট লিখিতভাবে যে বিমান সংস্থা নির্ধারণ করিয়াছেন সেই বিমান সংস্থাকে বুঝাইবে;
- (ঘ) "ভূ-খণ্ড", "বিমান চলাচল", "আন্তর্জাতিক বিমান চলাচল" এবং "চলাচলের উদ্দেশ্যে স্বাভাবিক বিরাতি" অভিব্যক্তিগুলির অর্থ, ১৯৪৪ সালের ৭ই ডিসেম্বর শিফাগোতে স্বাক্ষরের জন্য উন্মুক্ত আন্তর্জাতিক বেসামরিক বিমান চলাচল সম্পর্কিত কন্ভেনশনের ২ ও ৯৬ অনুচ্ছেদে বর্ণিত করা হইয়াছে, সেইরূপ অর্থ বহন করিবে।

২য় অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ এই চুক্তির পরিশিষ্টে বর্ণিত (যাহা "অতঃপর "স্বীকৃত বিমান চলাচল" এবং "নির্দিষ্ট বিমান-পথ" বলিয়া অভিহিত") বিমান-পথে আন্তর্জাতিক বিমান চলাচল প্রচলনের উদ্দেশ্যে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষকে চুক্তিতে বর্ণিত অধিকারসমূহ প্রদান করিবেন।

২। চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষের বিমান সংস্থা এই চুক্তির বিধানাবলী সাপেক্ষে, নির্ধারিত বিমান চলাচল পরিচালনাকালে নিম্নবর্ণিত অধিকার লাভ করিবেন:—

- (ক) চুক্তি সম্পাদনকারী অন্য পক্ষের ভূ-খণ্ডে অবতরণ না করিয়া উহার উপর দিয়া উড়িয়া যাইতে পারিবে;

(খ) চলাচলের উদ্দেশ্যে ব্যতীত চুক্তি সম্পাদনকারী অন্য পক্ষের ভূ-খণ্ডে যাত্রা বিরতি করিতে পারিবে।

৩। চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনাকালে আন্তর্জাতিক পরিবহনে যাত্রী, মাল এবং ডাক চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডে এই চুক্তির পরিশিষ্টে বর্ণিত স্থানসমূহে টা-নামা করিতে পারিবে।

৪। এই অনুচ্ছেদের কোন কিছু চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের বিমান সংস্থাকে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডের মধ্যে সেই অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডের কোন স্থানে প্রেরণের জন্য যাত্রী, মাল বা ডাক গ্রহণের সুবিধাদি প্রদান করে বলিয়া পণ্য হইবে না।

৫। চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের ভূ-খণ্ডে বিমানের আগমন, প্রস্থান অথবা উহার পরিচালন সংক্রান্ত আইন, প্রবিধান এবং নির্দেশাবলী চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের বিমানের প্রতি উক্ত ভূ-খণ্ডে বিমান চলাচল পরিচালনাকালে প্রযোজ্য হইবে।

৩য় অনুচ্ছেদ

নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনা করার উদ্দেশ্যে চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ উহার এক বা একাধিক বিমান সংস্থাকে অপর পক্ষের নিকট লিখিতভাবে নির্ধারণ করিয়া দিবার অধিকারী হইবেন।

২। বিমান সংস্থার নির্ধারণ সম্পর্কে অবহিত হইবার পর, চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষ এই অনুচ্ছেদের ৩ ও ৪ প্যারার বিধানাবলী সাপেক্ষে, এবং স্বীয় বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের মাধ্যমে উক্ত নির্ধারিত বিমান সংস্থাকে অবিলম্বে যথাযথ বিমান পরিচালনা অনুমতি-পত্র প্রদান করিবেন।

৩। "চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থাকে নির্দেশ দিতে পারিবেন যে, উহার আন্তর্জাতিক বিমান চলাচল পরিচালনার ক্ষেত্রে সাধারণতঃ প্রযোজ্য আইন ও প্রবিধান অনুযায়ী নির্ধারিত শর্তাবলী তাহার পালনের যোগ্য কিনা তাৎসম্পর্কে উক্ত বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের সম্বন্ধে বিবাদ করিবেন।

৪। যে ক্ষেত্রে বিমান সংস্থাসমূহের বাস্তব মালিকানা এবং কার্যকর নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা চুক্তি সম্পাদনকারী কোন এক পক্ষের বা উহার নাগরিকগণের উপর অধিক থাকে সেই ক্ষেত্রে চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ উক্ত বিমান সংস্থার নির্ধারণকরণ মানিয়া নইতে অস্বীকৃতি জ্ঞাপনের বা এই চুক্তির ২য় অনুচ্ছেদের ৩য় প্যারায় বর্ণিত অধিকার প্রদান প্রত্যাহার করিবার অধিকারী হইবেন অথবা উক্ত এক পক্ষ, অপর পক্ষের বিমান সংস্থা কর্তৃক অনুরূপ অধিকার প্রয়োগের ক্ষেত্রে উহার প্রতি প্রয়োজনীয় শর্ত আরোপ করিবার অধিকারী হইবেন।

৫। ৮ ও ১০ অনুচ্ছেদের শর্তাবলী পালিত হইবার পর, এই অনুচ্ছেদ নোতাবেক নির্ধারিত ও ক্ষমতাপ্রাপ্ত বিমান সংস্থা যে কোন সময়ে স্বীকৃত বিমান চলাচল আরম্ভ করিতে পারিবে।

৪র্থ অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের আইন ও প্রবিধানসমূহ চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা পালনে ব্যর্থ হইলে অথবা যে সকল শর্তে এই চুক্তি নোতাবেক অধিকারসমূহ প্রদান করা হইয়াছে সেই সকল শর্ত পালনে ব্যর্থ হইলে অথবা চুক্তি সম্পাদনকারী অন্য পক্ষের বা উহার নাগরিকগণের উপর নির্ধারিত বিমান সংস্থার প্রদত্ত মালিকানা ও কার্যকর নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা অধিক না থাকিলে চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষের, বিমান পরিচালনার অনুমতি প্রদান স্থগিত বা রদ করার অথবা উহার নতে প্রয়োজনীয় যথাযথ শর্তাবলী আরোপ করিবার অধিকার সংশ্লিষ্ট অপর পক্ষের জন্য সংরক্ষিত থাকিবে। চুক্তি সম্পাদনকারী সংশ্লিষ্ট পক্ষের আইন ও প্রবিধানসমূহ অথবা এই চুক্তির কোন বিধান আরও লক্ষ্যন প্রতিরোধের উদ্দেশ্যে বিমান পরিচালনা অবিলম্বে স্থগিত করা বা শর্তাবলী আরোপ করার প্রয়োজন না হইলে, এই চুক্তির ১২য় অনুচ্ছেদ নোতাবেক চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের মধ্যে আলোচনার পর ফেবল অনুরূপ ব্যবস্থা গ্রহণ করা হইবে।

৫ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের ভূ-খণ্ডে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার বিমান বিমান-বন্দর ব্যবহার এবং বিমান চলাচল সংক্রান্ত অন্যান্য স্বযোগ-স্ববিধা লাভ করিলে উক্তন্য প্রথম পক্ষের ভূ-খণ্ডে আরোপিত উদ্ভূলের পরিমাণ তাহাদের আন্তর্জাতিক বিমান চলাচলের ক্ষেত্রে নিয়োজিত জাতীয় বিমান সংস্থার বিমান কর্তৃক পরিশোধিত অর্থের চেয়ে বৃদ্ধি হইবে না।

৬ষ্ঠ অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক স্বীকৃত বিমান-পথে পরিচালিত কোন বিমান, উহার নিত্যপ্রয়োজনীয় সরঞ্জাম, ও বিমানে সরবরাহকৃত জ্বালানী ও লুব্রিকেন্ট তৈল এবং (খাদ্য, পানীয় ও তামাক-জাত দ্রব্যাদিসহ) উহার দ্রব্য-ভাণ্ডার বাবদ কোন বহিঃশুল্ক দিতে হইবে না এবং চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডে বিমান পৌঁছবার পর উহার পরীক্ষণ-ফিস এবং অনুরূপ অন্যান্য খরচাদিও প্রদান করিতে হইবে না, যদি উক্ত বিমানে ঐ সকল সরঞ্জাম এবং সরবরাহ মণ্ডলুদ থাকে তবে তাহা পুনরায় রপ্তানী না করা পর্যন্ত কোন ফিস বা খরচ দিতে হইবে না এবং এইরূপে যে সকল সরঞ্জাম ও সরবরাহের উপর হইতে শুল্ক মণ্ডলুদ করা হইবে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের শুল্ক কর্তৃপক্ষের তত্ত্বাবধানে এবং নিয়ন্ত্রণাধীনে ব্যতীত তাহা খালাস বা মণ্ডলুদ অথবা ব্যবহার করা হইবে না।

২। নিম্নলিখিত দ্রব্যাদির উপর হইতেও উপরি-উল্লিখিত শুল্ক, ফিস এবং অন্যান্য খরচাদি মণ্ডলুদ করা হইবে তবে সেরামত সংক্রান্ত খরচাদি মণ্ডলুদ করা হইবে না :—

- (ক) চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষ অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডে আন্তর্জাতিক বিমান চলাচলের ক্ষেত্রে নিয়োজিত বিমানে ব্যবহারের জন্য চুক্তি সম্পাদনকারী উক্ত পক্ষের কর্তৃপক্ষ কর্তৃক স্থিরীকৃত নীমানার মধ্যে (খাদ্য, পানীয় ও তামাক-জাত দ্রব্যাদিসহ) যে সকল দ্রব্য বিমানে লইবেন তাহা ;
- (খ) চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষের ভূ-খণ্ডে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক বিমানের সংযোগ-সাধন বা উহার রক্ষণা-বেশমণের উদ্দেশ্যে অথবা উহার উপকরণ-জীর্ণতা সংস্থার উদ্দেশ্যে বিমান-উপকরণসহ খুচরা যন্ত্রাংশ উক্ত বিমানের অন্তর্ভুক্ত করা বা লাগা হইয়া থাকিলে তাহা ;
- (গ) চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার কোন বিমান স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনাকালে উক্ত বিমানে সরবরাহের উদ্দেশ্যে জ্বালানী এবং লুব্রিকেন্ট তৈল চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষের ভূ-খণ্ডের মধ্যে সংগৃহীত হইয়া থাকিলে উক্ত সংগৃহীত সরবরাহ বিমানের বাত্মাপথের মধ্যে কোন স্থানে ব্যবহার হইলেও এই সকল সরবরাহ।

উপরি-উক্ত উপ-অনুচ্ছেদের (ক), (খ) এবং (গ)-এ বর্ণিত দ্রব্যাদি শুল্ক কর্তৃপক্ষের তত্ত্বাবধানে বা নিয়ন্ত্রণাধীনে রক্ষিত ও ব্যবহৃত হইবে।

৩। চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষ অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থাকে বহিঃশুল্ক, পরীক্ষণ-ফিস অথবা অনুরূপ অন্যান্য উল্ল মণ্ডলুদ না করিলে বা উহা হইতে অব্যাহতি না দিলে চুক্তি সম্পাদনকারী প্রথম পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা অনুরূপ বহিঃশুল্ক, পরীক্ষণ-ফিস বা উল্ল হইতে উক্ত অপর পক্ষকে অব্যাহতি দিবেন না অথবা উহা মণ্ডলুদ করিবেন না।

৭ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনার ক্ষেত্রে সকল প্রকার ন্যায্য ও সমান স্বযোগ-স্ববিধা ভোগ করিবে।

২। চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনাকালে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার স্বার্থ সম্পর্কে এইরূপে বিবেচনা করিতে হইবে যেন উক্ত সম্পূর্ণ বিমান-পথে বা উহার অংশবিশেষে শেযোক্ত বিমান সংস্থার পরিচালিত বিমান চলাচল অসংগতভাবে ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।

৩। এই অনুচ্ছেদের ১ম ও ২য় প্যারায় বর্ণিত নীতি মোতাবেক বিমানের পরিবহন ক্ষমতা এবং উহার চলাচল সংখ্যা চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের সঙ্গতিক্রমে স্থির করা হইবে এবং তাহা স্থির করা কালে প্রয়োজনীয় বিমান চলাচলের বিষয়টি তাঁহারা যৌথভাবে বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।

৪। চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার জন্য অনুমোদনযোগ্য বহনক্ষমতা বা পরিচালনযোগ্য বিমান চলাচল সংখ্যা উভয় পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের মতৈক্য অনুযায়ী বৃদ্ধি করা হইবে। অনুরূপ কোন মতৈক্য স্থাপিত বা ব্যবস্থা গৃহীত না হওয়া পর্যন্ত উক্ত পরিবহন ক্ষমতা এবং বিমান চলাচল সংখ্যা সংক্রান্ত পূর্ব প্রচলিত অধিকার বলবৎ থাকিবে।

৫। এই অনুচ্ছেদের বিধানাবলী মোতাবেক বিমান চলাচলের ক্ষেত্রে স্বীকৃত বহনক্ষমতা এবং চলাচল সংখ্যা চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের মধ্যে পত্র বিনিময়ের দ্বারা নির্দিষ্ট করা হইবে।

৮ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ উহার বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের মাধ্যমে অপর পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের নিকট যথাগন্তব্য স্বীকৃত বিমান চলাচল উদ্বোধনের পূর্বে এই চুক্তির শর্তাবলী যথাবনভাবে পালিত হইতেছে এই মর্মে বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের সঙ্গতি বিধানের উদ্দেশ্যে সঙ্গত প্রয়োজনীয় তথ্যাবলীসহ, বিমান চলাচলের ধরণ, ব্যবহার্য বিমান, ক্রাইট ও গুরুত্বজনক তরঙ্গীল এবং স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনা সম্পর্কিত প্রাসঙ্গিক অন্যান্য তথ্যাবলী সরবরাহের ব্যবস্থা করিবেন। এই অনুচ্ছেদের বিধানাবলী স্বীকৃত বিমান চলাচলের কোন পরিবর্তনের ক্ষেত্রে একই প্রকারে প্রযোজ্য হইবে।

৯ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ, অপর পক্ষের ভূখণ্ড বা ভূখণ্ড হইতে প্রতি নামে তাহাদের বিমানে যতজন যাত্রী যাতায়াত করিয়াছেন তাহাদের আরোহণ ও অবতরণ স্থানের নাম উল্লেখ করিয়া উহার পরিমংখ্যান চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের নিকট সরবরাহ করিবেন। এবং উক্ত পরিমংখ্যান যথাগন্তব্য শীঘ্র সরবরাহ করিতে হইবে এবং যে কোন প্রকারে হটক না কেন, তাহা যে সময় সংক্রান্ত সেই সময় হইতে নব্বই দিনের মধ্যে সরবরাহ করিতে হইবে।

১০ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমানে চলাচলের সময়ে যাত্রী, মাল, যাত্রীর মালামাল বহনের জন্য যে গুল্ক ধার্য করিবেন তাহা চুক্তি সম্পাদনকারী উভয় পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার সঙ্গতিক্রমে স্থির করা হইবে এবং বিমান চলাচল প্রবর্তনের পূর্বে তাহা চুক্তি সম্পাদনকারী উভয় পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের অনুমোদনের জন্য পেশ করা হইবে। নির্ধারিত বিমান সংস্থা মতৈক্যে উপনীত হইতে বার্ষ হইলে, চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের নিকট বিষয়টি প্রেরণ করা হইবে।

২। চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের নির্ধারিত বিমান সংস্থার সঙ্গতিক্রমে স্থিরীকৃত গুল্ক-তালিকা, যথাশীঘ্র সঙ্গত এবং যে প্রকারেই হউক না কেন, বিমান চলাচল প্রবর্তনের প্রস্তাবিত তারিখের অন্ততঃ পাঁচ দিন পূর্বে চুক্তি সম্পাদনকারী উভয় পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের অনুমোদনের জন্য পেশ করিতে হইবে। উক্ত গুল্ক-তালিকা প্রাপ্তির তারিখ হইতে পঁয়তাল্লিশ দিনের মধ্যে যদি কোন বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ উহা অনুমোদনে অসম্মতি জ্ঞাপন না করেন তবে উক্ত গুল্ক-তালিকা অনুমোদিত বলিয়া বিবেচিত হইবে।

৩। এই অনুচ্ছেদের ১নং প্যারা মোতাবেক যদি গুলক স্থির করা না হয় অথবা অনুরূপভাবে স্থিরীকৃত গুলক চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ যদি অনুমোদন না করেন তাহা হইলে চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের দ্বিভাষী পরিচালন কর্তৃপক্ষ যথাসীমা সম্ভব তাঁহাদের পরস্পরিক সম্মতিক্রমে গুলক নির্ধারণের জন্য প্রচেষ্টা চালাইবেন। চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ অনুরূপ মতেকো উপনীত হইতে ব্যর্থ হইলে বিঘাট নিষ্পত্তির জন্য চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের নিকট প্রেরণ করা হইবে।

১১শ অনুচ্ছেদ

এই চুক্তির প্রয়োগ এবং ব্যাখ্যা সম্পর্কে চুক্তি সম্পাদনকারী দুই পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ নিয়মিত মতামত বিনিময় করিবেন।

১২শ অনুচ্ছেদ

এই চুক্তি সংশোধনের উদ্দেশ্য গ্রহণের উদ্দেশ্যে আলোচনার জন্য চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষ যে কোন সময়ে অনুরোধ জানাইতে পারিবেন। চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষ যদি মনে করেন যে, ১১শ অনুচ্ছেদের ভাষ্যধীনে মতামত বিনিময়ের কাজ চূড়ান্ত হয় নাই তাহা হইলে এই চুক্তির ব্যাখ্যা ও প্রয়োগের ব্যাপারে আলোচনার প্রয়োজনও হইতে পারে। এবং তৎক্ষণাৎ অনুরোধের তারিখ হইতে ষাট দিনের মধ্যে উক্ত আলোচনা আরম্ভ হইবে। যে সংশোধনীতে চুক্তি সম্পাদনকারী দুই পক্ষেরই সম্মতি থাকিবে তাহা তাঁহাদের পরস্পরের মধ্যে কূটনৈতিক পত্রায় পত্র বিনিময়ের মাধ্যমে নির্ধারিত ও অনুমোদিত তারিখে বলবৎ হইবে।

১৩শ অনুচ্ছেদ

যদি এই চুক্তির ব্যাখ্যা বা প্রয়োগ সম্পর্কে কোন বিরোধের সৃষ্টি হয় তবে চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ তাঁহাদের নিজেদের মধ্যে আলোচনা-আলোচনার মাধ্যমে তাহা নিষ্পত্তির জন্য প্রচেষ্টা চালাইবেন এবং এইরূপ প্রচেষ্টা ব্যর্থ হইলে বিরোধটির নিষ্পত্তির জন্য চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের নিকট উহা প্রেরণ করা হইবে।

১৪শ অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ, চুক্তির অপর পক্ষকর্তৃক বিনিময়-নিগূর্ণণ আনুষ্ঠানিকতা পালন সাপেক্ষে উক্ত পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থাকে, উহার নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনার কলে যে ব্যয় হইবে তদতিরিক্ত আয়ের অর্থ অর্থাৎ পরিবর্তনযোগ্য মুদ্রায় উহার প্রধান কার্যালয়ে স্থানান্তরের অধিকার প্রদান করিবেন।

১৫শ অনুচ্ছেদ

এই চুক্তির পরিশিষ্ট ইহার অংশ হিসাবে গণ্য হইবে।

২। এই চুক্তি স্বাক্ষরের তারিখ হইতে বলবৎ হইবে।

১৬শ অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ যে কোন সময়ে চুক্তির অপর পক্ষকে লিখিত নোটিশ প্রদান করিয়া এই চুক্তির অবসান ঘটাঁহার ইচ্ছা প্রকাশ করিতে পারিবেন। অনুরূপ নোটিশ প্রদান করার পর, চুক্তির অপর পক্ষ কর্তৃক উহা প্রাপ্তির তারিখের ষাট মাস পর এই চুক্তির অবসান হইবে যদি উক্ত মেয়াদ উত্তীর্ণ হইবার পূর্বে কোন চুক্তির দ্বারা উক্ত নোটিশ প্রত্যাহার করা না হয়।

অথাৎ ১৯৭৮ সালের ৫ই মে তারিখে ঢাকায় এই চুক্তির দুইটি ইংরাজী, দুইটি হিন্দী এবং দুইটি বাংলা ভাষায় মোট ছয়টি মূল লিপি সম্পাদিত হইল। এই মূল লিপিসমূহ সমভাবে অনুমোদিত, তবে ব্যাখ্যার ব্যাপারে কোন অসামঞ্জস্যতার ক্ষেত্রে ইংরাজী পাঠই প্রাধান্য পাইবে।

গোলাম মোস্তফা -

(এ. বি. এম. গোলাম মোস্তফা)

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকারের পক্ষে।

কে. পি. এস. মেনন

(কে. পি. এস. মেনন)

প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের পক্ষে।

পরিশিষ্ট

১ ধারা

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা এই ধারায় নির্দিষ্ট বিমান-পথের উভয় দিকে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনার অধিকারী হইবে এবং বিমান চলাচলের উদ্দেশ্যে প্রজাতন্ত্রী ভারত-ভূ-খণ্ডের তথাবর্ণিত স্থানসমূহে অবতরণ করিতে পারিবে।

যাত্রা শুরু স্থান	মধ্যবর্তী স্থান	প্রজাতন্ত্রী ভারতের অন্তর্গত স্থানসমূহ	বহির্ভূত স্থানসমূহ
১। বাংলাদেশ	নাই	কলিকাতা	নাই
২। বাংলাদেশ	নাই	বোম্বাই	(ক) নাহরইন অথবা দুবাই ; (খ) বাগদাদ অথবা কার্রো ; (গ) এথেন্স অথবা বেলগ্রেড অথবা পূর্ব বালিন অথবা প্রাগ ; (ঘ) ক্রাকফুর্ট অথবা ব্রাসেল্‌স্ অথবা আমষ্টার্ডাম ; (ঙ) লন্ডন।

স্ব. ৬।

১০৮

টীকা :- (১) বোম্বাই/ক্রাকফুর্ট/বোম্বাই অঞ্চলে গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা যাত্রী বহন করিবে না।

(২) উপরি-উল্লিখিত স্থানসমূহে নির্দিষ্ট ক্রমানুযায়ী বিমান পরিচালনার প্রয়োজন নাই।

(৩) নির্ধারিত বিমান সংস্থাসমূহের ইচ্ছাক্রমে নির্দিষ্ট বিমান-পথের কোন স্থান বা স্থানসমূহকে বাদ দেওয়া যাইবে।

(৪) "বহির্ভূত স্থানসমূহ" শীর্ষক কলামে উল্লিখিত দুই বা ততোধিক স্থানের নামের মধ্যে "অথবা" শব্দের ব্যবহারের দ্বারা বুঝিবে যে, নির্ধারিত বিমান সংস্থা তাদের সকল বিমান চলাচল পরিচালনার স্থান-সমষ্টি চাইতে একটিনাজ স্থানে বিমান চলাচল পরিচালনা করিতে পারিবে। অনুরূপ স্থান নির্বাচনের ক্ষেত্রে কোন বিমান সংস্থার সংরক্ষিত নির্বাচন ক্ষমতা প্রতি ছয় মাসে মাত্র একবার প্রয়োগ করা যাইবে এবং উক্ত মেয়াদের মধ্যে একই স্থান-সমষ্টি নির্বাচনের ক্ষেত্রে দ্বিতীয়বার নির্বাচন ক্ষমতা প্রয়োগের সুযোগ থাকিবে না।

প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা এই ধারায় নির্দিষ্ট বিমান-পথের উভয় দিকে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনা করিবার অধিকারী হইবে এবং বিমান চলাচলের উদ্দেশ্যে গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশের ভূ-খণ্ডের তথাবর্ণিত স্থানসমূহে অবতরণ করিতে পারিবে।

যাত্রা শুরু স্থান	মধ্যবর্তী স্থান	গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলা- দেশের অন্তর্গত স্থানসমূহ	বহির্ভূত স্থানসমূহ
১। ভারত	নাই	(ক) ঢাকা (খ) চট্টগ্রাম	নাই নাই
২। ভারত	নাই	ঢাকা	(ক) রেঙ্গুন অথবা হ্যানয় অথবা অস্ট্রেলিয়ার অবস্থিত পার্শ্ব এবং সিডনির মধ্যে কোন স্থান যাহা প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক মনোনীত হইবে; (খ) ভিয়েনতিয়েন অথবা মায়গন অথবা জাকার্তা অথবা ম্যানিলা; (গ) হংকং অথবা সিঙ্গাপুর অথবা মান্নার- শিয়ার অবস্থিত কোরালানামপুর ও পুনাং-এর মধ্যে কোন স্থান যাহা প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক মনোনীত হইবে, (ঘ) ওয়াকান; (ঙ) টোকিও।

স্বা. ৬৫।

KPR

- টীকা :—(১) ঢাকা/সিঙ্গাপুর/ঢাকা অঞ্চলে প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা যাত্রী বহন করিবে না।
- (২) উপরি-উল্লিখিত স্থানসমূহে নির্দিষ্ট জমানুযায়ী বিমান পরিচালনার প্রয়োজন নাই।
- (৩) নির্ধারিত বিমান সংস্থাসমূহের ইচ্ছাক্রমে নির্দিষ্ট বিমান-পথের কোন স্থান বা স্থানসমূহকে বাদ দেওয়া যাইবে না।
- (৪) প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থার কোন বিমান একই ফ্লাইটে ঢাকা এবং চট্টগ্রাম চলাচল করিবে না।
- (৫) “বহির্ভূত স্থানসমূহ” শীর্ষক কলামে দুই বা ততোধিক স্থানের নামের মধ্যে “অথবা” শব্দের ব্যবহারের দ্বারা বুঝাইবে যে, নির্ধারিত বিমান সংস্থা তাহাদের সকল বিমান চলাচল পরিচালনার স্থান-সমষ্টি হইতে কেবলমাত্র এক স্থানে বিমান চলাচল পরিচালনা করিতে পারিবে। অনুরূপ স্থান নির্বাচনের ক্ষেত্রে কোন বিমান সংস্থার যে ঐচ্ছিক সনদ প্রাপ্ত সংরক্ষিত রহিয়াছে তাহা উক্ত সংস্থা প্রতি ছয় মাসে মাত্র একবার প্রয়োগ করিবে এবং সেই মেয়াদের মধ্যে উক্ত একই স্থান-সমষ্টি নির্বাচনের ক্ষেত্রে দ্বিতীয়বার কোন নির্বাচন ক্ষমতা প্রয়োগের সুযোগ থাকিবে না।

भारत गणतंत्र की सरकार तथा गण प्रजातंत्री बंगलादेश
की सरकार के बीच विमान सेवाओं के सम्बन्ध में करार

भारत गणतंत्र की सरकार तथा गण प्रजातंत्री बंगलादेश की सरकार,
जिन्हें आगे 'संविदाकारी पक्ष' कहा गया है ;

इसे दृष्टि में रखते हुए कि दोनों देशों के भू-भागों के बीच तथा उनसे
परि समानता तथा पारस्परिकता के आधार पर विमान सेवाएं स्थापित करना और
नागर विमानन के क्षेत्र में उनके संबंधों को मजबूत करना वांछनीय है ;

इस विश्वास के साथ कि विमान सेवाएं स्थापित करने से दोनों राष्ट्रों
के बीच मैत्री एवं सौहार्द की भावना को बनाये रखने व प्रोत्साहित करने में सहायता
मिलेगी ;

तथा सुरक्षित, नियमित, कुशल एवं मितव्ययी हवाई परिवहन की
आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ;

और उक्त प्रयोजनों के लिए एक करार करने की इच्छा से ;

निम्नलिखित बातों पर सहमत हुई हैं ;

अनुच्छेद 1

जब तक प्रसंग से कोई अन्य अर्थ अभीष्ट न हो, प्रस्तुत करार के प्रयोजन
के लिए :-

(क) 'वैमानिक प्राधिकारी' पद का आशय भारत गणतंत्र के संबंध में
नागर विमानन का महानिदेशक या कोई ऐसा व्यक्ति या निकाय
होगा जिसे उन कार्यों के करने के लिए प्राधिकृत किया गया हो
जिन्हें इस समय उक्त महानिदेशक द्वारा किया जाता है ;

(ख) 'वैमानिक प्राधिकारी' पद का आशय गण प्रजातंत्री बंगलादेश के
संबंध में नागर विमानन का महानिदेशक या कोई ऐसा व्यक्ति या
निकाय होगा जिसे उन कार्यों के करने के लिए प्राधिकृत किया गया
हो जिन्हें इस समय उक्त महानिदेशक द्वारा किया जाता है ;

5/10/61

KSR

-: 2 :-

- (ग) 'नामित विमान कम्पनी' पद का आशय एक ऐसी विमान कम्पनी से है जिसे एक सँवदाकारी पदा ने प्रस्तुत करार के अनुच्छेद 3 के अनुसार दूसरे सँवदाकारी पदा को लिखित सूचना दे कर नामित किया है ;
- (घ) 'भू-भाग', 'विमान सेवा', 'अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा' तथा 'यातायात से भिन्न प्रयोजनों के लिए रुकना' पदों से आशय वही है जो 7 दिसम्बर, 1944 को शिकागो में हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत किए गए अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन अभिसमय के अनुच्छेद 2 व 96 में उनके लिए क्रमशः निर्दिष्ट किया गया है ।

अनुच्छेद 2

प्रत्येक सँवदाकारी पदा दूसरे सँवदाकारी पदा को प्रस्तुत करार के अनुबंध में विनिर्दिष्ट मार्गों पर अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं (जिन्हें आगे 'विनिर्दिष्ट मार्ग' तथा 'सम्मत सेवाएं' कहा गया है) स्थापित करने के प्रयोजन के लिए प्रस्तुत करार में विनिर्दिष्ट अधिकार देता है ।

2. प्रस्तुत करार के उपबंधों के अधीन रहते हुए प्रत्येक सँवदाकारी पदा की विमान कम्पनी को, अनुसूचित सेवाओं का परिचालन करते समय, निम्नलिखित अधिकार प्राप्त होंगे :-

(क) बगैर उतरे हुए सँवदाकारी पदा के भू-भाग से हो कर उड़ान करना ;

(ख) यातायात से भिन्न प्रयोजनों के लिए दूसरे सँवदाकारी पदा के भू-भाग में रुकना ।

3. विनिर्दिष्ट मार्ग पर सम्मत सेवाओं का परिचालन करते समय, एक सँवदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी को दूसरे सँवदाकारी पदा के भू-भाग में उन स्थानों पर, जो प्रस्तुत करार के अनुबंध में निर्दिष्ट कर दिए गए हैं यात्रियों, माल तथा डाक के अंतरराष्ट्रीय यातायात को उतारने व चढ़ाने के प्रयोजन के लिए रुकने का अधिकार होगा ।

जा.६.

KBR

4. इस अनुच्छेद के किसी भी अंश का अर्थ किसी एक संविदाकारी पदा की विमान कम्पनी को यह अधिकार देना नहीं समझा जाएगा कि वह दूसरे संविदाकारी पदा के भू-भाग में यात्रियों, माल अथवा डाक के ऐसे यातायात को भी चढ़ा सकेगी जिसका गंतव्य दूसरे संविदाकारी पदा के भू-भाग में ही कोई अन्य स्थान हो ।

5. एक संविदाकारी पदा के ऐसे कानून, विनियम और अनुदेश जो वायुयान के इस संविदाकारी पदा के भू-भाग में प्रवेश करने, वहां से प्रस्थान करने अथवा उसके अन्दर परिचालन करने के संबंध में लागू होते हैं, वे दूसरे संविदाकारी पदा के वायुयान पर भी, उक्त संविदाकारी पदा के भू-भाग में हो कर सेवा परिचालन के दौरान लागू होंगे ।

अनुच्छेद 3

प्रत्येक संविदाकारी पदा को यह अधिकार होगा कि वह विनिर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं के परिचालन के प्रयोजन के लिए दूसरे संविदाकारी पदा को लिखित रूप में एक या अधिक विमान कम्पनियों नामित करे ।

2. नामन की सूचना प्राप्त होने पर, दूसरा संविदाकारी पदा अपने ही वैमानिक प्राधिकारियों के माध्यम से इस अनुच्छेद के पैरा 3 व 4 के उपबंधों के अधीन रहते हुए नामित विमान कम्पनी को अविलम्ब यथोचित परिचालन अधिकार दे वेगा ।

3. एक संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारी दूसरे संविदाकारी पदा द्वारा नामित विमान कम्पनी से इस बात का आश्वासन मांग सकते हैं कि वे उनके द्वारा अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं के परिचालन पर सामान्य रूप से लागू किए जाने वाले कानूनों और विनियमों के अधीन विहित शर्तों का पालन करने के लिए सक्षम हैं ।

4. यदि कोई संविदाकारी पदा इस बात से संतुष्ट न हो कि उन विमान कम्पनियों का वास्तविक स्वामित्व और प्रभावी नियंत्रण यथा पर्याप्त रूप से दूसरे संविदाकारी पदा अथवा उसके राष्ट्रों में निहित है तो उसको यह अधिकार होगा कि वह ऐसी विमान कम्पनी के नामन को स्वीकार करने से इन्कार कर दे या प्रस्तुत करार के अनुच्छेद 2 के पैरा 3 में विनिर्दिष्ट अधिकारों की मंजूरी को रोक दे अथवा

क्र. (म)

KAR

ऐसे अधिकारों के प्रयोग के संबंध में विमान कम्पनी पर ऐसी शर्तें लायी जायें जिन्हें वह आवश्यक समझे ।

5. इस अनुच्छेद के अंतर्गत नामित और प्राधिकृत की गयी विमान कम्पनी सम्पत्त सेवाओं का परिचालन किसी भी समय प्रारंभ कर सकती है बशर्त कि अनुच्छेद 8 और 10 की अपेक्षाओं का अनुपालन किया जा चुका हो ।

अनुच्छेद 4

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष अपने पास यह अधिकार प्रारक्षित रखता है कि यदि दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामित विमान कम्पनी ने पहले संविदाकारी पक्ष के कानूनों तथा विनियमों का अनुपालन न किया हो, अथवा उन शर्तों को पूरा नहीं किया गया हो जिनके अधीन प्रस्तुत करार के अनुसार अधिकार दिए गए हैं, अथवा नामित विमान कम्पनी का वास्तविक स्वामित्व और प्रभावी नियंत्रण अब दूसरे संविदाकारी पक्ष अथवा इसके राष्ट्रियों में निहित न रहा हो, तो वह परिचालन प्राधिकार को निलम्बित अथवा प्रतिसंभूत कर सकेगा या उस पर ऐसी उचित शर्तें ला सकता जिन्हें वह उचित समझे । जब तक कि संबंधित संविदाकारी पक्ष के कानूनों तथा विनियमों अथवा प्रस्तुत करार के किसी उपबंध के इससे और आगे अतिक्रमण को रोकने की दृष्टि से परिचालनों का तुरंत निलम्बन अथवा शर्तों का लाया जाना आवश्यक न समझा जाए, तब तक इस प्रकार की कार्यवाही प्रस्तुत करार के अनुच्छेद 12 के अनुसार संविदाकारी पक्षों के बीच सलाह-मशविरा करके ही की जायगी ।

अनुच्छेद 5

कोई भी संविदाकारी पक्ष अपने भू-भाग में दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामित विमान कम्पनी के विमानों द्वारा विमानदोत्रों तथा अन्य विमानन सुविधाओं के उपयोग के लिए उन प्रकारों से अधिक प्रकार न लाये जो उसी प्रकार की अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं में जो पहले संविदाकारी पक्ष की अपनी राष्ट्रीय विमान कम्पनी के विमानों द्वारा चलाए जाते हैं ।

जी.एन.

LSH

अनुच्छेद 6

दोनों में से किसी भी संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा सम्मत सेवाओं पर परिचालित वायुयान एवं ऐसे वायुयान में रहे हुए उनके नियमित उपस्कर, ईंधन व स्नेहकों के भंडार तथा विमान सामग्री (जिसमें खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ तथा तम्बाकू भी सम्मिलित होंगे) दूसरे संविदाकारी पदा के भू-भाग में पहुँचने पर सीमा-शुल्क, निरीक्षण फीस तथा इसी प्रकार के अन्य प्रभारों से मुक्त होंगे बशर्ते कि ऐसे उपस्कर तथा भंडार पुनर्नियमित किए जाने तक विमान पर ही रहें। इस प्रकार शुल्क-मुक्त किये गये उपस्कर तथा भंडार दूसरे संविदाकारी पदा के सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की निगरानी और नियंत्रण के बिना विमान से उतारे, स्टोर अथवा प्रयुक्त नहीं किए जायें।

2. निम्नलिखित वस्तुएं भी उपर्युक्त शुल्कों, फीसों तथा प्रभारों से मुक्त होंगी, परंतु की गयी सेवाओं से संबंधित प्रभारों से मुक्त नहीं होंगी :-

- (क) दोनों में से किसी भी संविदाकारी पदा के भू-भाग में उस संविदाकारी पदा के प्राधिकारियों द्वारा निश्चित की गयी सीमाओं में विमान पर ले जाई गयी विमान सामग्री (जिसमें खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ तथा तम्बाकू भी सम्मिलित हैं), जिसका कि दूसरे संविदाकारी पदा के अंतरराष्ट्रीय सेवा पर लगे विमान पर प्रयोग किया जाना हो ;
- (ख) दोनों में से किसी भी संविदाकारी पदा के भू-भाग में विमान पर लाए अथवा रहे गए फालतू पुर्जे, जिनमें उनके हिस्से-पुर्जे भी शामिल हैं, जो दूसरे संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा प्रयुक्त हिस्से-पुर्जों विमान में लाने अथवा उनके संधारण, मरम्त या ओवरहाल के लिए हों ;
- (ग) दूसरे संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा सम्मत सेवाओं पर परिचालित वायुयान को दिए जाने वाले ईंधन तथा स्नेहक, चाहे इनका प्रयोग यात्रा के उस भाग पर ही किया जाना हो जो उस संविदाकारी पदा के भू-भाग के ऊपर से जायें जहां से ये विमान पर लिए गए हैं।

ऊपर उप-पैरा (क), (ख) और (ग) में निर्दिष्ट सामग्री को सीमा-शुल्क अधिकारियों की निगरानी अथवा नियंत्रण में रखे जाने अथवा प्रयोग किए जाने को कहा जा सकता है।

3. कोई भी संविदाकारी पदा दूसरे संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी को तब तक सीमा-शुल्क, निरीक्षण फीस तथा इसी प्रकार के अन्य प्रभारों से छूट अथवा माफी देने के लिए बाध्य नहीं होगा जब तक कि दूसरा संविदाकारी पदा पहले संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी को ऐसे ही शुल्क, फीस अथवा प्रभारों से छूट अथवा माफी प्रदान नहीं कर देता।

अनुच्छेद 7

प्रत्येक संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी को विनिर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं के परिचालन में सब प्रकार से उचित तथा समान अवसर प्राप्त होंगे।

2. एक संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा सम्मत सेवाओं के परिचालन में यह ध्यान रखा जाएगा कि दूसरे संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी के हितों की हानि न हो ताकि दूसरा पदा उस सारे मार्ग अथवा उसके किसी भाग में जो सेवाएं चलाता है उस पर कोई अनुचित प्रभाव न पडने पाए।

3. प्रदान की जाने वाली धारिता तथा परिचालित की जाने वाली सेवाओं की संख्या उतनी ही होगी जितनी कि इस अनुच्छेद के पैरा 1 व 2 में विहित सिद्धांतों के अनुसार, तथा संयुक्त रूप से सम्मत यातायात की अनुमानित अपेक्षाओं को ध्यान में रख कर, संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारियों के बीच सहमति होगी।

4. प्रदान की जाने वाली धारिता तथा दोनों पदों में से किसी भी संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा परिचालित की जाने वाली सेवाओं की संख्या उतनी ही होगी जितनी कि वैमानिक प्राधिकारियों के बीच सहमति होगी। जब तक इस प्रकार की सहमति या फैसला न हो जाए तब तक धारिता तथा सेवाओं की संख्या के बारे में जो अधिकार पहले से लागू हैं, वे ही लागू रहेंगे।

अ.क.व.प.

K. M.

5. इस अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार सहमत प्रकार से प्रदान की जाने वाली धारिता एवं परिचालित की जाने वाली सेवाओं की संख्या का स्पष्ट उल्लेख संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारियों के बीच होने वाले पत्रों के विनिमय में किया जाएगा ।

अनुच्छेद 8

प्रत्येक संविदाकारी पदा अपनी नामित विमान कम्पनी से दूसरे संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारियों की विमान सेवा के प्रकार, उपयोग किए जाने वाले वायुयान के प्रकार, उड़ानों की अनुसूचियों, टैरिफ अनुसूचियों से संबंधित सूचना तथा सम्मत सेवाओं के परिचालन से संबंधित अन्य सभी संत सूचनाओं को, जिनमें ऐसी सूचनाएं भी सम्मिलित होंगी जो वैमानिक प्राधिकारियों को पर्याप्त रूप से इस बात की तसल्ली कराने के लिए आवश्यक हों कि प्रस्तुत करार की शर्तों का आवश्यक पालन हो रहा है, सम्मत सेवाओं के परिचालित होने से पहले जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी भिजवाएगा । सम्मत सेवाओं से संबंधित किसी भी परिवर्तन पर भी इस अनुच्छेद की शर्तें इसी प्रकार लागू होंगी ।

अनुच्छेद 9

दोनों में से किसी भी संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारी दूसरे संविदाकारी पदा के वैमानिक प्राधिकारियों को अपनी विमान सेवाओं द्वारा प्रत्येक मास में दूसरे संविदाकारी पदा के भू-भाग को या भू-भाग से ले जाए गए यातायात संबंधी आंकड़े भेजेगा जिनमें ऐसे यातायात के चढ़ने और उतरने के स्थानों का विवरण भी रहेगा । ऐसे आंकड़े मांग किए जाने पर शीघ्रातिशीघ्र भेज दिए जाएंगे और किसी भी हालत में उस अवधि के, जिस अवधि से वे संबंधित हैं, 90 दिनों के अंदर-अंदर अवश्य भेज दिए जाएंगे ।

अनुच्छेद 10

विनिर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं पर यात्रियों, माल व सामान के वहन के लिए एक संविदाकारी पदा की नामित विमान कम्पनी द्वारा लिए जाने वाले टैरिफ दोनों संविदाकारी पदों की नामित विमान कम्पनियों के बीच सहमति द्वारा

नो. (आ.)

CAH

निर्धारित किए जायें तथा उनके चालू किए जाने से पूर्व दोनों संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए जायें। यदि नामित विमान कम्पनियां सहमत न हो सकें तो मामले को संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारियों के पास भेज दिया जाएगा।

2. संविदाकारी पदों की नामित विमान कम्पनियों द्वारा सहमत टैरिफों को यथाशीघ्र, तथा किसी भी हालत में उनके चालू किये जाने की प्रस्तावित तारीख से कम से कम 60 दिन पूर्व, दोनों संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। यदि दोनों में से कोई भी वैमानिक प्राधिकारी उक्त टैरिफों की प्राप्ति की तारीख से 45 दिनों के अंदर-अंदर अपनी असहमति प्रकट नहीं करते तो इन्हें अनुमोदित हुआ समझा जाएगा।

3. यदि टैरिफ इस अनुच्छेद के पैरा 1 के अनुसार निर्धारित नहीं किए जाते अथवा इस प्रकार निर्धारित किए गए टैरिफों को किसी भी संविदाकारी पद के वैमानिक प्राधिकारी अस्वीकार कर देते हैं, तो संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारी, यथाशीघ्र, आपसी सहमति द्वारा टैरिफों को निर्धारित करने का प्रयत्न करेंगे। यदि संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारी ऐसा करने में असमर्थ रहते हैं, तो मामले को निपटान के लिए संविदाकारी पदों के पास भेज दिया जाएगा।

अनुच्छेद 11

दोनों संविदाकारी पदों के वैमानिक प्राधिकारी प्रस्तुत करार के प्रवर्तन तथा अर्थ-निर्वचन के संबंध में नियमित रूप से विचारों का आदान-प्रदान करते रहेंगे।

अनुच्छेद 12

दोनों में से कोई भी संविदाकारी पद प्रस्तुत करार में कोई भी संशोधन करने के लिए किसी भी समय विचार-विमर्श का अनुरोध कर सकता है। यदि दोनों में से कोई भी संविदाकारी पद यह समझे कि अनुच्छेद 11 के आशय के अनुसार विचार-विनिमय अनिर्णीत रहा है तो वह प्रस्तुत करार के अर्थ-निर्वचन तथा उसे लागू करने से

जि.मि.

K.P.H.

-: 9 :-

संबंधित मामलों पर भी विचार-विमर्श का अनुरोध कर सकता है। इस प्रकार का विचार-विमर्श अनुरोध की तारीख से 60 दिन की अवधि के भीतर आरंभ कर दिया जाएगा। दोनों संविदाकारी पक्षों के बीच सहमत हुआ कोई भी संशोधन परस्पर सहमत से निर्धारित तथा राजनीयक पत्रों के आदान-प्रदान द्वारा अनुसमर्थित की गयी तारीख से लागू होगा।

अनुच्छेद 13

याद प्रस्तुत करार के अर्थ-निर्वाचन अथवा लागू करने के संबंध में कोई भी विवाद हो तो पहले संविदाकारी पक्षों के वैधानिक प्राधिकारी परस्पर वार्ता द्वारा उसका फैसला करने का प्रयत्न करेंगे; जिसके असफल होने पर विवाद को फैसले के लिए दोनों संविदाकारी पक्षों के पास भेज दिया जाएगा।

अनुच्छेद 14

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामित विमान कम्पनी को विनिर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं के परिचालन के परिणामस्वरूप खर्च निकाल कर बर्च। आय को निर्वाधि रूप से विनिमय योग्य मुद्रा में अपने मुख्यालय को हस्तांतरित करने का अधिकार प्रदान करेगा बशर्ते कि सम्बद्ध संविदाकारी पक्ष की मुद्रा नियंत्रण औपचारिकताओं की पूर्ति कर दी गयी हो।

अनुच्छेद 15

प्रस्तुत करार का अनुबंध करार का ही अंग माना जाएगा।

2. प्रस्तुत करार उस पर हस्ताक्षर होने की तारीख को लागू हो जाएगा।

अनुच्छेद 16

दोनों में से कोई भी संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष को किसी भी समय इस आशय का लिखित नोटिस दे सकता है कि वह वर्तमान करार को समाप्त करना चाहता है। यदि इस प्रकार का नोटिस दिया जाता है और यदि दूसरे संविदाकारी पक्ष को नोटिस मिलने के बारह महीने की अवधि से पहले ही समझौता कर के यह नोटिस वापस न ले लिया जाए तो उक्त अवधि की समाप्ति पर यह करार समाप्त हो जाएगा।

आज दिनांक 5 मई 1978 को ढाका में छः मूल प्रतियों पर, जिनमें अंग्रेजी, हिन्दी तथा बंगाली भाषाओं में से प्रत्येक की दो-दो प्रतियां हैं और जो सभी पाठ समान रूप से प्रामाणिक हैं, हस्ताक्षर किए गए। यदि अर्थ-निर्वचन के सम्बन्ध में कोई मतभेद हो तो अंग्रेजी पाठ ही प्रामाणिक माना जाएगा।

के पी एस मेनन

(के. पी. एस्. मेनन)

कृते भारत गणतंत्र की सरकार

এম. এ. এম. মুস্তফা

(ए. बी. एम. गुलाम मुस्तफा)

कृते गण प्रजातंत्री बंगलादेश की सरकार

अनुबंध

खण्ड 1

गण प्रजातंत्री बंगलादेश की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी को इस खण्ड में विनिर्दिष्ट मार्गों पर दोनों दिशाओं में सम्मत सेवाएं परिचालित करने और भारत गणतंत्र के भू-भाग में इस खण्ड में निर्दिष्ट स्थानों पर यातायात के प्रयोजनों के लिए उतरने का अधिकार प्राप्त होगा ।

<u>उद्गम स्थान</u>	<u>मध्यवर्ती स्थान</u>	<u>भारत गणतंत्र के स्थान</u>	<u>आगे के स्थान</u>
1. बंगलादेश	-	कलकत्ता	-
2. बंगलादेश	-	बम्बई	(क) बहरीन अथवा दुबाई ; (ख) बग़दाद अथवा काहिरा ; (ग) एथन्स अथवा बेलग्रेड अथवा पूर्वी बर्लिन अथवा प्रेग ; (घ) फ्रैंकफर्ट अथवा ब्रुसेल्स अथवा एम्स्टर्डम ; (ङ) लन्दन ।

- टिप्पणियां : (1) बम्बई-फ्रैंकफर्ट-बम्बई सेक्टर पर गण प्रजातंत्री बंगलादेश की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी किसी यात्री यातायात का वहन नहीं करेगी ।
- (2) उपर्युक्त स्थानों के लिए सेवाएं उल्लिखित क्रम में परिचालित करना आवश्यक नहीं है ।
- (3) नामित विमान कम्पनी को निर्दिष्ट मार्गों पर उल्लिखित किसी भी स्थान अथवा स्थानों को छोड़ जाने की छूट होगी ।
- (4) "आगे के स्थान" कालम में दो अथवा दो से अधिक स्थानों के बीच जब "अथवा" शब्द का प्रयोग किया जाए तो उसका अर्थ यह होगा कि नामित विमान कम्पनी को अपनी समस्त सेवाओं पर प्रत्येक सेट में से केवल एक ही स्थान से हो कर परिचालन करने का अधिकार होगा । ऐसे स्थान के चयन करने के विमान कम्पनी को दिये गये अधिकार का प्रयोग वह प्रत्येक छ. महीने में केवल एक बार ही कर सकेगी और उस अवधि के दौरान उसे उसी सेट के संबंध में दूसरी बार स्थान चयन का अधिकार नहीं होगा ।

(सा.सा.)

CAH

खण्ड 2

भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी को इस खण्ड में विनिर्दिष्ट मार्गों पर दोनों दिशाओं में सम्मत सेवाएं परिचालित करने और गण प्रजातंत्री बंगलादेश के भू-भाग में इस खण्ड में निर्दिष्ट स्थानों पर यातायात के प्रयोजनों के लिए उतरने का अधिकार प्राप्त होगा।

उद्गम स्थान	मध्यवर्ती स्थान	गण प्रजातंत्री बंगलादेश के स्थान	आगे के स्थान
1. भारत	-	(क) ढाका (ख) चिट्टागांव	-
2. भारत	-	ढाका	(क) रंगून अथवा हनोई अथवा भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी द्वारा पर्थ और सिडनी में से चुना जाने वाला आस्ट्रेलिया का कोई एक स्थान ; (ख) विरंटीन अथवा सेगोन अथवा जकार्ता अथवा मनीला ; (ग) हांगकांग अथवा सिंगापुर अथवा भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी द्वारा कुआला लम्पुर और पेनांग में से चुना जाने वाला मलेशिया का कोई एक स्थान ; (घ) ओसाका ; (ङ) टोकियो ।

- टिप्पणियां : (1) ढाका। सिंगापुर। ढाका सेक्टर पर भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी किसी यात्री यातायात का वहन नहीं करेगी।
- (2) उपर्युक्त स्थानों के लिए सेवाएं उल्लिखित क्रम में परिचालित करना आवश्यक नहीं है।
- (3) नामित विमान कम्पनी को निर्दिष्ट मार्गों पर उल्लिखित किसी भी स्थान अथवा स्थानों को छोड़ जाने की छूट होगी।
- (4) भारत गणतंत्र की सरकार द्वारा नामित विमान कम्पनी एक ही उड़ान पर ढाका तथा चिट्टागांव के लिए सेवाएं परिचालित नहीं करेगी।
- (5) 'आगे के स्थान' कालम में दो अथवा दो से अधिक स्थानों के बीच जब 'अथवा' शब्द का प्रयोग किया जाए तो उसका अर्थ यह होगा कि नामित विमान कम्पनी को अपनी समस्त सेवाओं पर प्रत्येक सेट में से केवल एक ही स्थान से हो कर परिचालन करने का अधिकार होगा। ऐसे स्थान के चयन करने के विमान कम्पनी को दिये गये अधिकार का प्रयोग वह प्रत्येक छः महीने में केवल एक बार ही कर सकेगी और उस अवधि के दौरान उसे उसी सेट के संबंध में दूसरी बार स्थान चयन का अधिकार नहीं होगा।

(सा.सा.)

KSh

2.

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার

এবং

প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের মধ্যে

বিমান চলাচল চুক্তি

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার এবং প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকার অতঃপর ইহাতে “চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণ” বলিয়া অভিহিত ;

সমতা ও পারস্পরিক সম্পর্ক ও সুবিধার ভিত্তিতে উভয় দেশ তাঁহাদের ভূ-খণ্ডের মধ্যে ও উহার বাহিরে বিমান চলাচল পরিচালনা করা এবং বেসামরিক বিমান চলাচলের ক্ষেত্রে তাঁহাদের সম্পর্ক জোরদার করা বাঞ্ছনীয় বিবেচনা করতঃ ;

বিমান চলাচল প্রচলন জনগণের মধ্যে বন্ধুত্ব ও সমঝোতা সংরক্ষণ ও উন্নয়নে সহায়তা করিবে এই মনোভাব পোষণ-পূর্বক ;

নিরাপদ, নিয়মিত, দক্ষ এবং মিতব্যয়ী বিমান পরিবহনের আবশ্যিকতা মনে রাখিয়া ;

এবং উপরি-উক্ত উদ্দেশ্যে একটি চুক্তি সম্পাদনের ইচ্ছা পোষণ করিয়া নিম্নরূপ নীতিকে উপনীত হইয়াছেন :

১ম অনুচ্ছেদ

প্রসঙ্গের প্রয়োজনে অন্যরূপ না হইলে, এই চুক্তির উদ্দেশ্যে :—

- (ক) “বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ” বলিতে, প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের ক্ষেত্রে, বেসামরিক বিমান চলাচল সংক্রান্ত মহাপরিচালক অথবা তিনি বর্তমানে যে সকল দায়িত্ব পালন করিয়া থাকেন সেই সকল দায়িত্ব পালনের জন্য ক্ষমতাপ্রাপ্ত যে কোন ব্যক্তি বা ব্যক্তিবর্গকে বুঝাইবে ;
- (খ) “বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ” বলিতে, গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশের ক্ষেত্রে, বেসামরিক বিমান চলাচল সংক্রান্ত মহাপরিচালক অথবা তিনি বর্তমানে যে সকল দায়িত্ব পালন করিয়া থাকেন সেই সকল দায়িত্ব পালনের জন্য ক্ষমতাপ্রাপ্ত যে কোন ব্যক্তি বা ব্যক্তিবর্গকে বুঝাইবে ;
- (গ) “নির্ধারিত বিমান সংস্থা” বলিতে, এই চুক্তির ৩য় অনুচ্ছেদ মোতাবেক চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষ অপর পক্ষের নিকট লিখিতভাবে যে বিমান সংস্থা নির্ধারণ করিয়াছেন সেই বিমান সংস্থাকে বুঝাইবে ;
- (ঘ) “ভূ-খণ্ড”, “বিমান চলাচল”, “আন্তর্জাতিক বিমান চলাচল” এবং “চলাচলের উদ্দেশ্যে ব্যতীত বিরতি” অভিব্যক্তিগুলির অর্থ, ১৯৪৪ সালের ৭ই ডিসেম্বর শিকাগোতে স্বাক্ষরের জন্য উন্মুক্ত আন্তর্জাতিক বেসামরিক বিমান চলাচল সম্পর্কিত কন্ভেনশনের ২ ও ৯৬ অনুচ্ছেদে যেরূপ করা হইয়াছে, সেইরূপ অর্থ বহন করিবে।

২য় অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ এই চুক্তির পরিশিষ্টে বর্ণিত (যাহা “অতঃপর “স্বীকৃত বিমান চলাচল” এবং “নির্দিষ্ট বিমান-পথ” বলিয়া অভিহিত”) বিমান-পথে আন্তর্জাতিক বিমান চলাচল প্রচলনের উদ্দেশ্যে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষকে চুক্তিতে বর্ণিত অধিকারসমূহ প্রদান করিবেন।

২। চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষের বিমান সংস্থা এই চুক্তির বিধানাবলী সাপেক্ষে, নির্ধারিত বিমান চলাচল পরিচালনাকালে নিম্নবর্ণিত অধিকার লাভ করিবেন :—

- (ক) চুক্তি সম্পাদনকারী অন্য পক্ষের ভূ-খণ্ডে অবতরণ না করিয়া উহার উপর দিয়া উড়িয়া যাইতে পারিবে ;

(খ) চলাচলের উদ্দেশ্যে ব্যতীত চুক্তি সম্পাদনকারী অন্য পক্ষের ভূ-খণ্ডে যাত্রা বিরতি করিতে পারিবে।

৩। চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনাকালে আন্তর্জাতিক পরিবহনে যাত্রী, মাল এবং ডাক চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডে এই চুক্তির পরিশিষ্টে বর্ণিত স্থানসমূহে উঠা-নামা করিতে পারিবে।

৪। এই অনুচ্ছেদের কোন কিছু চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের বিমান সংস্থাকে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডের মধ্যে সেই অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডের কোন স্থানে থেরণের জন্য যাত্রী, মাল বা ডাক গ্রহণের সুবিধাদি প্রদান করে বলিয়া গণ্য হইবে না।

৫। চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের ভূ-খণ্ডে বিমানের আগমন, প্রস্থান অথবা উহার পরিচালন সংক্রান্ত আইন, প্রবিধান এবং নির্দেশাবলী চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের বিমানের প্রতি উক্ত ভূ-খণ্ডে বিমান চলাচল পরিচালনাকালে প্রযোজ্য হইবে।

৩য় অনুচ্ছেদ

নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনা করার উদ্দেশ্যে চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ উহার এক বা একাধিক বিমান সংস্থাকে অপর পক্ষের নিকট লিখিতভাবে নির্ধারণ করিয়া দিবার অধিকারী হইবেন।

২। বিমান সংস্থার নির্ধারণ সম্পর্কে অবহিত হইবার পর, চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষ এই অনুচ্ছেদের ৩ ও ৪ প্যারার বিধানাবলী সাপেক্ষে, এবং স্বীয় বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের মাধ্যমে উক্ত নির্ধারিত বিমান সংস্থাকে অবিলম্বে যথাযথ বিমান পরিচালনা অনুমতি-পত্র প্রদান করিবেন।

৩। চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থাকে নির্দেশ দিতে পারিবেন যে, তাঁহাদের আন্তর্জাতিক বিমান চলাচল পরিচালনার ক্ষেত্রে সাধারণতঃ প্রযোজ্য আইন ও প্রবিধান অনুযায়ী নির্ধারিত শর্তাবলী উঁহার পালনের যোগ্য কিনা তৎসম্পর্কে উক্ত বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের সম্ভূত বিধান করিবেন।

৪। যে ক্ষেত্রে বিমান সংস্থাসমূহের বাস্তব মালিকানা এবং কার্যকর নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা চুক্তি সম্পাদনকারী কোন এক পক্ষের বা উহার নাগরিকগণের উপর অপিত থাকে সেই ক্ষেত্রে চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ উক্ত বিমান সংস্থার নির্ধারণকরণ মানিয়া লইতে অস্বীকৃতি জ্ঞাপনের বা এই চুক্তির ২য় অনুচ্ছেদের ৩য় প্যারায় বর্ণিত অধিকার প্রদান প্রত্যাহার করিবার অধিকারী হইবেন অথবা উক্ত এক পক্ষ, অপর পক্ষের বিমান সংস্থা কর্তৃক অনুরূপ অধিকার প্রয়োগের ক্ষেত্রে উহার প্রতি প্রয়োজনীয় শর্ত আরোপ করিবার অধিকারী হইবেন।

৫। ৮ ও ১০ অনুচ্ছেদের শর্তাবলী পালিত হইবার পর, এই অনুচ্ছেদ মোতাবেক নির্ধারিত ও ক্ষমতাপ্রাপ্ত বিমান সংস্থা যে কোন সময়ে স্বীকৃত বিমান চলাচল আরম্ভ করিতে পারিবে।

৪র্থ অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের আইন ও প্রবিধানসমূহ চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা পালনে ব্যর্থ হইলে অথবা যে সকল শর্তে এই চুক্তি মোতাবেক অধিকারসমূহ প্রদান করা হইয়াছে সেই সকল শর্ত পালনে ব্যর্থ হইলে অথবা চুক্তি সম্পাদনকারী অন্য পক্ষের বা উহার নাগরিকগণের উপর নির্ধারিত বিমান সংস্থার প্রকৃত মালিকানা ও কার্যকর নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা অপিত না থাকিলে চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষের, বিমান পরিচালনার অনুমতি প্রদান স্থগিত বা রদ করার অথবা উহার মতে প্রয়োজনীয় যথাযথ শর্তাবলী আরোপ করিবার অধিকার সংশ্লিষ্ট অপর পক্ষের জন্য সংরক্ষিত থাকিবে। চুক্তি সম্পাদনকারী সংশ্লিষ্ট পক্ষের আইন ও প্রবিধানসমূহ অথবা এই চুক্তির কোন বিধান আরও লঙ্ঘন প্রতিরোধের উদ্দেশ্যে বিমান পরিচালনা অবিলম্বে স্থগিত করা বা শর্তাবলী আরোপ করার প্রয়োজন না হইলে, এই চুক্তির ১২শ অনুচ্ছেদ মোতাবেক চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের মধ্যে আলাপ-আলোচনার পর কেবল অনুরূপ ব্যবস্থা গ্রহণ করা হইবে।

৫ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের ভূ-খণ্ডে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার বিমান বিমান-বন্দর ব্যবহার এবং বিমান চলাচল সংক্রান্ত অন্যান্য সুযোগ-সুবিধা লাভ করিলে তজ্জন্য প্রথম পক্ষের ভূ-খণ্ডে আরোপিত উসুলের পরিমাণ তাহাদের আন্তর্জাতিক বিমান চলাচলের ক্ষেত্রে নিয়োজিত জাতীয় বিমান সংস্থার বিমান কর্তৃক পরিশোধিত অর্থের চেয়ে অধিক হইবে না।

৬ষ্ঠ অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক স্বীকৃত বিমান-পথে পরিচালিত কোন বিমান, উহার নিত্যপ্রয়োজনীয় সরঞ্জাম, ও বিমানে সরবরাহকৃত জ্বালানী ও লুব্রিকেটিং তৈল এবং (খাদ্য, পানীয় ও তামাক-জাত দ্রব্যাদিসহ) উহার দ্রব্য-ভাণ্ডার বাবদ কোন বহিঃশুল্ক দিতে হইবে না এবং চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডে বিমান পৌঁছবার পর উহার পরীক্ষণ-ফিস এবং অনুরূপ অন্যান্য খরচাদিও প্রদান করিতে হইবে না, যদি উক্ত বিমানে ঐ সকল সরঞ্জাম এবং সরবরাহ মঞ্জুদ থাকে তবে তাহা পুনরায় রপ্তানী না করা পর্বন্ত কোন ফিস বা খরচ দিতে হইবে না এবং এইরূপে যে সকল সরঞ্জাম ও সরবরাহের উপর হইতে শুল্ক মওকুফ করা হইবে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের শুল্ক কর্তৃপক্ষের তত্ত্বাবধানে এবং নিয়ন্ত্রণাধীনে ব্যতীত তাহা খালাস বা মওজুদ অথবা ব্যবহার করা যাইবে না।

২। নিম্নলিখিত দ্রব্যাদির উপর হইতেও উপরি-উল্লিখিত শুল্ক, ফিস এবং অন্যান্য খরচাদি মওকুফ করা হইবে তবে মেরামত সংক্রান্ত খরচাদি মওকুফ করা হইবে না :—

- (ক) চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষ অপর পক্ষের ভূ-খণ্ডে আন্তর্জাতিক বিমান চলাচলের ক্ষেত্রে নিয়োজিত বিমানে ব্যবহারের জন্য চুক্তি সম্পাদনকারী উক্ত পক্ষের কর্তৃপক্ষ কর্তৃক স্থিরীকৃত সীমানার মধ্যে (খাদ্য, পানীয় ও তামাক-জাত দ্রব্যাদিসহ) যে সকল দ্রব্য বিমানে লইবেন তাহা ;
- (খ) চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষের ভূ-খণ্ডে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক বিমানের সংযোগ-সাধন বা উহার রক্ষণা-বেক্ষণের উদ্দেশ্যে অথবা উহার উপকরণ-জীর্ণতা সংস্কারের উদ্দেশ্যে বিমান-উপকরণসহ খুচরা যন্ত্রাংশ উক্ত বিমানের অন্তর্ভুক্ত করা বা লওয়া হইয়া থাকিলে তাহা ;
- (গ) চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার কোন বিমান স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনাকালে উক্ত বিমানে সরবরাহের উদ্দেশ্যে জ্বালানী এবং লুব্রিকেটিং তৈল চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষের ভূ-খণ্ডের মধ্যে সংগৃহীত হইয়া থাকিলে উক্ত সংগৃহীত সরবরাহ বিমানের যাত্রাপথের মধ্যে কোন স্থানে ব্যবহার্য হইলেও এই সকল সরবরাহ।

উপরি-উক্ত উপ-অনুচ্ছেদের (ক), (খ) এবং (গ)-এ বর্ণিত দ্রব্যাদি শুল্ক কর্তৃপক্ষের তত্ত্বাবধানে বা নিয়ন্ত্রণাধীনে রক্ষিত ও ব্যবহৃত হইবে।

৩। চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষ অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থাকে বহিঃশুল্ক, পরীক্ষণ-ফিস অথবা অনুরূপ অন্যান্য উসুল মওকুফ না করিলে বা উহা হইতে অব্যাহতি না দিলে চুক্তি সম্পাদনকারী প্রথম পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা অনুরূপ বহিঃশুল্ক, পরীক্ষণ-ফিস বা উসুল হইতে উক্ত অপর পক্ষকে অব্যাহতি দিবেন না অথবা উহা মওকুফ করিবেন না।

৭ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনার ক্ষেত্রে সকল প্রকার ন্যায্য ও সমান সুযোগ-সুবিধা ভোগ করিবে।

২। চুক্তি সম্পাদনকারী এক পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনাকালে চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার স্বার্থ সম্পর্কে এইরূপে বিবেচনা করিতে হইবে যেন উক্ত সম্পূর্ণ বিমান-পথে বা উহার অংশবিশেষে শেযোক্ত বিমান সংস্থার পরিচালিত বিমান চলাচল অসংগতভাবে ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।

৩। এই অনুচ্ছেদের ১ম ও ২য় প্যারায় বর্ণিত নীতি মোতাবেক বিমানের পরিবহন ক্ষমতা এবং উহার চলাচল সংখ্যা চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের সম্মতিক্রমে স্থির করা হইবে এবং তাহা স্থির করা কালে প্রয়োজনীয় বিমান চলাচলের বিষয়টি তাঁহারা যৌথভাবে বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।

৪। চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার জন্য অনুমোদনযোগ্য বহনক্ষমতা বা পরিচালনযোগ্য বিমান চলাচল সংখ্যা উভয় পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের মতৈক্য অনুযায়ী বৃদ্ধি করা হইবে। অনুরূপ কোন মতৈক্য স্থাপিত বা ব্যবস্থা গৃহীত না হওয়া পর্যন্ত উক্ত পরিবহন ক্ষমতা এবং বিমান চলাচল সংখ্যা সংক্রান্ত পূর্ব প্রচলিত অধিকার বলবৎ থাকিবে।

৫। এই অনুচ্ছেদের বিধানাবলী মোতাবেক বিমান চলাচলের ক্ষেত্রে স্বীকৃত বহনক্ষমতা এবং চলাচল সংখ্যা চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের মধ্যে পত্র বিনিময়ের দ্বারা নির্দিষ্ট করা হইবে।

৮ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ উহার বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের মাধ্যমে অপর পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের নিকট যথাসম্ভব স্বীকৃত বিমান চলাচল উদ্বোধনের পূর্বে এই চুক্তির শর্তাবলী যথাযথভাবে পালিত হইতেছে এই মর্মে বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের সম্মতি বিধানের উদ্দেশ্যে সঙ্গত প্রয়োজনীয় তথ্যাবলীসহ, বিমান চলাচলের ধরণ, ব্যবহার্য বিমান, ফ্লাইট ও গুল্ক তফসীল এবং স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনা সম্পর্কিত প্রাসঙ্গিক অন্যান্য তথ্যাবলী সরবরাহের ব্যবস্থা করিবেন। এই অনুচ্ছেদের বিধানাবলী স্বীকৃত বিমান চলাচলের কোন পরিবর্তনের ক্ষেত্রে একই প্রকারে প্রযোজ্য হইবে।

৯ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী যে কোন পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ, অপর পক্ষের ডু-থও বা ডু-থও হইতে প্রতি মাসে তাহাদের বিমানে যতজন যাত্রী যাতায়াত করিয়াছেন তাহাদের আরোহণ ও অবতরণ স্থানের নাম উল্লেখ করিয়া উহার পরিসংখ্যান চুক্তি সম্পাদনকারী অপর পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের নিকট সরবরাহ করিবেন। এবং উক্ত পরিসংখ্যান যথাসম্ভব শীঘ্র সরবরাহ করিতে হইবে এবং যে কোন প্রকারে হউক না কেন, তাহা যে সময় সংক্রান্ত সেই সময় হইতে নব্বই দিনের মধ্যে সরবরাহ করিতে হইবে।

১০ম অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থা নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমানে চলাচলের সময়ে যাত্রী, মাল, যাত্রীর মালামাল বহনের জন্য যে গুল্ক ধার্য করিবেন তাহা চুক্তি সম্পাদনকারী উভয় পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থার সম্মতিক্রমে স্থির করা হইবে এবং বিমান চলাচল প্রবর্তনের পূর্বে তাহা চুক্তি সম্পাদনকারী উভয় পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের অনুমোদনের জন্য পেশ করা হইবে। নির্ধারিত বিমান সংস্থা মতৈক্যে উপনীত হইতে ব্যর্থ হইলে, চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের নিকট বিষয়টি প্রেরণ করা হইবে।

২। চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের নির্ধারিত বিমান সংস্থার সম্মতিক্রমে স্থিরীকৃত গুল্ক-তালিকা, যথাশীঘ্র সম্ভব এবং যে প্রকারেই হউক না কেন, বিমান চলাচল প্রবর্তনের প্রস্তাবিত তারিখের অন্ততঃ ষাট দিন পূর্বে চুক্তি সম্পাদনকারী উভয় পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষের অনুমোদনের জন্য পেশ করিতে হইবে। উক্ত গুল্ক-তালিকা প্রাপ্তির তারিখ হইতে পঁয়তাল্লিশ দিনের মধ্যে যদি কোন বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ উহা অনুমোদনে অসম্মতি জ্ঞাপন না করেন তবে উক্ত গুল্ক-তালিকা অনুমোদিত বলিয়া বিবেচিত হইবে।

৩। এই অনুচ্ছেদের ১ম প্যারা মোতাবেক যদি গুল্ক স্থির করা না হয় অথবা অনুরূপভাবে স্থিরীকৃত গুল্ক চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ যদি অনুমোদন না করেন তাহা হইলে চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ যথাশীঘ্র সম্ভব তাঁহাদের পারস্পরিক সম্মতিক্রমে গুল্ক নির্ধারণের জন্য প্রচেষ্টা চালাইবেন। চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ অনুরূপ মতৈক্যে উপনীত হইতে ব্যর্থ হইলে বিষয়টি নিষ্পত্তির জন্য চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের নিকট প্রেরণ করা হইবে।

১১শ অনুচ্ছেদ

এই চুক্তির প্রয়োগ এবং ব্যাখ্যা সম্পর্কে চুক্তি সম্পাদনকারী দুই পক্ষের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ নিয়মিত মতামত বিনিময় করিবেন।

১২শ অনুচ্ছেদ

এই চুক্তি সংশোধনের উদ্যোগ গ্রহণের উদ্দেশ্যে আলোচনার জন্য চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষ যে কোন সময়ে অনুরোধ জানাইতে পারিবেন। চুক্তি সম্পাদনকারী কোন পক্ষ যদি মনে করেন যে, ১১শ অনুচ্ছেদের তাৎপর্যধীনে মতামত বিনিময়ের কাজ চূড়ান্ত হয় নাই তাহা হইলে এই চুক্তির ব্যাখ্যা ও প্রয়োগের ব্যাপারে আলোচনার প্রয়োজনও হইতে পারে। এবং তৎক্ষণাৎ অনুরোধের তারিখ হইতে ষাট দিনের মধ্যে উক্ত আলোচনা আরম্ভ হইবে। যে সংশোধনীতে চুক্তি সম্পাদনকারী দুই পক্ষেরই সম্মতি থাকিবে তাহা তাঁহাদের পরস্পরের মধ্যে কূটনৈতিক পন্থায় পত্র বিনিময়ের মাধ্যমে নির্ধারিত ও অনুমোদিত তারিখে বলবৎ হইবে।

১৩শ অনুচ্ছেদ

যদি এই চুক্তির ব্যাখ্যা বা প্রয়োগ সম্পর্কে কোন বিরোধের সৃষ্টি হয় তবে চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের বিমান পরিচালন কর্তৃপক্ষ তাঁহাদের নিজেদের মধ্যে আলাপ-আলোচনার মাধ্যমে তাহা নিষ্পত্তির জন্য প্রচেষ্টা চালাইবেন এবং এইরূপ প্রচেষ্টা ব্যর্থ হইলে বিরোধটির নিষ্পত্তির জন্য চুক্তি সম্পাদনকারী পক্ষগণের নিকট উহা প্রেরণ করা হইবে।

১৪শ অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ, চুক্তির অপর পক্ষকর্তৃক বিনিময়-নিয়ন্ত্রণ আনুষ্ঠানিকতা পালন সাপেক্ষে উক্ত পক্ষের নির্ধারিত বিমান সংস্থাকে, উহার নির্দিষ্ট বিমান-পথে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনার ফলে যে ব্যয় হইবে তদতিরিক্ত আয়ের অর্থ অবাধে পরিবর্তনযোগ্য মুদ্রায় উহার প্রধান কার্যালয়ে স্থানান্তরের অধিকার প্রদান করিবেন।

১৫শ অনুচ্ছেদ

এই চুক্তির পরিশিষ্ট ইহার অংশ হিসাবে গণ্য হইবে।

২। এই চুক্তি স্বাক্ষরের তারিখ হইতে বলবৎ হইবে।

১৬শ অনুচ্ছেদ

চুক্তি সম্পাদনকারী প্রত্যেক পক্ষ যে কোন সময়ে চুক্তির অপর পক্ষকে লিখিত নোটিশ প্রদান করিয়া এই চুক্তির অবসান ঘটাইবার ইচ্ছা প্রকাশ করিতে পারিবেন। অনুরূপ নোটিশ প্রদান করার পর, চুক্তির অপর পক্ষ কর্তৃক উহা প্রাপ্তির তারিখের বার মাস পর এই চুক্তির অবসান হইবে যদি উক্ত স্বেচ্ছা উত্তীর্ণ হইবার পূর্বে কোন চুক্তির দ্বারা উক্ত নোটিশ প্রত্যাহার করা না হয়।

অদ্য ১৯৭৮ সালের ৫ই মে তারিখে ঢাকায় এই চুক্তির দুইটি ইংরাজী, দুইটি হিন্দী এবং দুইটি বাংলা ভাষায় মোট ছয়টি মূল লিপি সম্পাদিত হইল। এই মূল লিপিসমূহ সমভাবে অনুমোদিত, তবে ব্যাখ্যার ব্যাপারে কোন অসামঞ্জস্যতার ক্ষেত্রে ইংরাজী পাঠই প্রাধান্য পাইবে।

গোলাম মোস্তফা

(এ. বি. এম. গোলাম মোস্তফা)

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকারের পক্ষে।

কে. পী. এস. মেনন

(কে. পি. এস. মেনন)

প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের পক্ষে।

পরিশিষ্ট

১ ধারা

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা এই ধারায় নিদিষ্ট বিমান-পথের উভয় দিকে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনার অধিকারী হইবে এবং বিমান চলাচলের উদ্দেশ্যে প্রজাতন্ত্রী ভারত-ভূ-খণ্ডের তথাবর্ণিত স্থানসমূহে অবতরণ করিতে পারিবে।

যাত্রী গুরুত্ব স্থান	মধ্যবর্তী স্থান	প্রজাতন্ত্রী ভারতের অন্তর্গত স্থানসমূহ	বহির্ভূত স্থানসমূহ
১। বাংলাদেশ	নাই	কলিকাতা	নাই
২। বাংলাদেশ	নাই	বোম্বাই	(ক) বাহরাইন অথবা দুবাই ; (খ) বাগদাদ অথবা কায়রো ; (গ) এথেন্স অথবা বেলগ্রেড অথবা পূর্ব বালিন অথবা প্রাগ ; (ঘ) ফ্রাঙ্কফুর্ট অথবা ব্রাসেল্‌স্ অথবা আমস্টার্ডাম ; (ঙ) লণ্ডন।

সে.সে.

KAR

টীকা :— (১) বোম্বাই/ফ্রাঙ্কফুর্ট/বোম্বাই অঞ্চলে গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা যাত্রী বহন করিবে না।

(২) উপরি-উল্লিখিত স্থানসমূহে নিদিষ্ট ক্রমানুযায়ী বিমান পরিচালনার প্রয়োজন নাই।

(৩) নির্ধারিত বিমান সংস্থাসমূহের ইচ্ছাক্রমে নিদিষ্ট বিমান-পথের কোন স্থান বা স্থানসমূহকে বাদ দেওয়া যাইবে।

(৪) “বহির্ভূত স্থানসমূহ” শীর্ষক কলামে উল্লিখিত দুই বা ততোধিক স্থানের নামের মধ্যে “অথবা” শব্দের ব্যবহারের দ্বারা বুঝাইবে যে, নির্ধারিত বিমান সংস্থা তাহাদের সকল বিমান চলাচল পরিচালনার স্থান-সমষ্টি হইতে একটিমাত্র স্থানে বিমান চলাচল পরিচালনা করিতে পারিবে। অনুরূপ স্থান নির্বাচনের ক্ষেত্রে কোন বিমান সংস্থার সংরক্ষিত নির্বাচন ক্ষমতা প্রতি ছয় মাসে মাত্র একবার প্রয়োগ করা যাইবে এবং উক্ত মেয়াদের মধ্যে একই স্থান-সমষ্টি নির্বাচনের ক্ষেত্রে দ্বিতীয়বার নির্বাচন ক্ষমতা প্রয়োগের সুযোগ থাকিবে না।

২ ধারা

প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা এই ধারায় নির্দিষ্ট বিমান-পথের উভয় দিকে স্বীকৃত বিমান চলাচল পরিচালনা করিবার অধিকারী হইবে এবং বিমান চলাচলের উদ্দেশ্যে গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশের ভূ-খণ্ডের তথাবর্ণিত স্থানসমূহে অবতরণ করিতে পারিবে।

যাত্রা শুরু স্থান	মধ্যবর্তী স্থান	গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলা- দেশের অন্তর্গত স্থানসমূহ	বহির্ভূত স্থানসমূহ
১। ভারত	নাই	(ক) ঢাকা (খ) চট্টগ্রাম	নাই নাই
২। ভারত	নাই	ঢাকা	(ক) রেঙ্গুন অথবা হ্যানয় অথবা অস্ট্রেলিয়ায় অবস্থিত পার্থ এবং সিডনির মধ্যে কোন স্থান যাহা প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক মনোনীত হইবে ; (খ) ভিয়েনতিয়েন অথবা সায়গন অথবা জাকার্তা অথবা ম্যানিলা ; (গ) হংকং অথবা সিঙ্গাপুর অথবা মালয়ে- শিয়ায় অবস্থিত কোয়ালালামপুর ও পুনাং-এর মধ্যে কোন স্থান যাহা প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা কর্তৃক মনোনীত হইবে ; (ঘ) ওসাকা ; (ঙ) টোকিও ।

সো.সো.

LBR

টীকা :—(১) ঢাকা/সিঙ্গাপুর/ঢাকা অঞ্চলে প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থা যাত্রী বহন করিবে না।

(২) উপরি-উল্লিখিত স্থানসমূহে নির্দিষ্ট ক্রমানুযায়ী বিমান পরিচালনার প্রয়োজন নাই।

(৩) নির্ধারিত বিমান সংস্থাসমূহের ইচ্ছাক্রমে নির্দিষ্ট বিমান-পথের কোন স্থান বা স্থানসমূহকে বাদ দেওয়া যাইবে।

(৪) প্রজাতন্ত্রী ভারত সরকারের নির্ধারিত বিমান সংস্থার কোন বিমান একই ফ্লাইটে ঢাকা এবং চট্টগ্রাম চলাচল করিবে না।

(৫) “বহির্ভূত স্থানসমূহ” শীর্ষক কলামে দুই বা ততোধিক স্থানের নামের মধ্যে “অথবা” শব্দের ব্যবহারের দ্বারা বুঝাইবে যে, নির্ধারিত বিমান সংস্থা তাহাদের সকল বিমান চলাচল পরিচালনার স্থান-সমষ্টি হইতে কেবলমাত্র এক স্থানে বিমান চলাচল পরিচালনা করিতে পারিবে। অনুরূপ স্থান নির্বাচনের ক্ষেত্রে কোন বিমান সংস্থার যে ঐচ্ছিক ক্ষমতা সংরক্ষিত রহিয়াছে তাহা উক্ত সংস্থা প্রতি ছয় মাসে মাত্র একবার প্রয়োগ করিবে এবং সেই মেয়াদের মধ্যে উক্ত একই স্থান-সমষ্টি নির্বাচনের ক্ষেত্রে দ্বিতীয়বার কোন নির্বাচন ক্ষমতা প্রয়োগের সুযোগ থাকিবে না।

AGREEMENT
BETWEEN THE GOVERNMENT OF THE REPUBLIC
OF INDIA AND THE GOVERNMENT OF THE
PEOPLE'S REPUBLIC OF BANGLADESH
RELATING TO AIR SERVICES

fm.

The Government of the Republic of India and the Government of the People's Republic of Bangladesh, hereinafter described as the "Contracting Parties";

CONSIDERING that it is desirable to establish on the basis of equality and reciprocity air services between and beyond the territories of the two countries and to strengthen their relations in the field of civil aviation;

RECOGNISING that the establishment of air services would help to preserve and promote friendship and understanding among peoples;

V. B. H.

MINDFUL OF the need for safe, regular, efficient and economical air transport;

AND DESIRING to conclude an Agreement for the above purposes;

HAVE AGREED AS FOLLOWS :

ARTICLE I

For the purpose of the present Agreement, unless

...../2

the context otherwise requires :-

- fm.
- (a) the term "aeronautical authorities" shall mean in the case of the Government of the Republic of India, the Director General of Civil Aviation or any person or body authorised to perform the functions presently exercised by the said Director General;
 - (b) the term "aeronautical authorities" shall mean in the case of the People's Republic of Bangladesh, the Director General of Civil Aviation or any person or body authorised to perform the functions presently exercised by the said Director General;
 - (c) the term "designated airline" shall mean an airline which one Contracting Party has designated in writing to the other Contracting Party, in accordance with Article III of the present Agreement;
 - (d) the terms "territory", "air service", "international air service" and "stop for non-traffic purposes" have the meanings respectively assigned to them

in Articles 2 and 96 of the Convention on International Civil Aviation opened for signature at Chicago on the 7th December 1944.

ARTICLE II

fm. Each Contracting Party grants to the other Contracting Party the rights specified in the present Agreement for the purpose of establishing international air services on the routes specified in the Annex hereto (hereinafter called "the agreed services" and "the specified routes").

2. Subject to the provisions of the present Agreement, the airlines of each Contracting Party shall, while operating scheduled services, enjoy the following rights :-

(a) to fly without landing across the territory of the other Contracting Party,

(b) to make stops in the territory of the other Contracting Party for non-traffic purposes.

3. While operating the agreed services on the specified routes, the designated airlines of one Contracting Party shall

...../4

LOAN

have the right to make stops in the territory of the other Contracting Party at the points specified in the Annex to the present Agreement for the purpose of putting down and taking on international traffic in passengers, cargo and mail.

8m. 4. Nothing in this Article shall be deemed to confer on the airlines of one Contracting Party the privilege of taking on, in the territory of the other Contracting Party, passengers, cargo or mail destined for another point in the territory of that other Contracting Party.

5. The laws, regulations and instructions of one Contracting Party relating to the entry into, departure from, or operation of aircraft within the territory of the said Contracting Party shall apply to the aircraft of the other Contracting Party in the operation of air services while within such territory. LOM

ARTICLE III

Each Contracting Party shall have the right to designate in writing to the other Contracting Party one or more airlines for the purpose of operating the agreed services on the specified routes.

2. On receipt of the designation, the other Contracting Party shall, through its own aeronautical authorities

and subject to the provisions of paragraphs 3 and 4 of this Article, without delay grant to the designated airlines the appropriate operating authorisation.

3. The aeronautical authorities of one Contracting Party may require the airlines designated by the other Contracting Party to satisfy them that they are qualified to fulfil the conditions prescribed under the laws and regulations normally applied by them to the operation of international air services.

4. Each Contracting Party shall have the right to refuse to accept the designation of the airlines or to withhold the grant to the airlines of the right specified in paragraph 3 of Article II of the present Agreement or to impose such conditions as it may deem necessary on the exercise by the airlines of such rights in any case where it is not satisfied that substantial ownership and effective control of those airlines are vested in the other Contracting Party or its nationals.

5. The airlines designated and authorised under this Article may begin to operate the agreed services at any time provided the requirements of Articles VIII and X have been complied with.

Sm.

KPH

ARTICLE IV

Each Contracting Party reserves to itself the right to suspend or revoke the operating authorisation or to impose such appropriate conditions as it may deem necessary in case of failure by the designated airlines of the other Contracting Party to comply with the laws and regulations of the former Contracting Party, or in case there is a failure to fulfil the conditions under which the rights are granted in accordance with the present Agreement or in case substantial ownership and effective control of the designated airlines no longer vest in the other Contracting Party or its nationals. Such action shall be taken only after consultation between the Contracting Parties in accordance with Article XII of the present Agreement unless an immediate suspension of operations or imposition of conditions is necessary to prevent further infringement of the laws and regulations of the Contracting Party concerned or of any provision of the present Agreement.

ARTICLE V

The charges imposed in the territory of one Contracting Party for the use of airports and other aviation facilities by the aircraft of the designated airlines of the other Contracting Party shall not be higher than those

...../7

sm

KAR

paid by the aircraft of the national airlines of the former Contracting Party engaged in similar international air services.

ARTICLE VI

sm. Aircraft operated on the agreed services by the designated airlines of either Contracting Party, as well as their regular equipment, supplies of fuel and lubricants, and aircraft stores (including food, beverages and tobacco) on board such aircraft shall be exempt from all customs duties, inspection fees and other similar charges on arrival in the territory of the other Contracting Party, provided such equipment and supplies remain on board the aircraft up to such time as they are re-exported. The equipment and supplies so exempt shall not be unloaded, stored or used except under the supervision and control of the customs authorities of the other Contracting Party. KOK

2. The following shall also be exempt from the above mentioned duties, fees and charges but not from charges relating to the services rendered :-

- (a) aircraft stores (including food, beverages and tobacco) taken on board in the territory of either Contracting Party within limits fixed by the authorities of the said Contracting Party

for use on board the aircraft engaged in an international service of the other Contracting Party;

(b) spare parts including components introduced or taken on board the aircraft in the territory of either Contracting Party for incorporation in or for maintenance, repair or overhaul of the components/aircraft used by the designated airline of the other Contracting Party;

(c) fuel and lubricants intended for being supplied to aircraft operated on the agreed services by the designated airlines of the other Contracting Party, even when these supplies are to be used on the part of the journey performed over the territory of the Contracting Party in which they are taken on board.

Materials referred to in sub-paragraphs (a), (b) and (c) above may be required to be kept or used under customs supervision or control.

3. Neither Contracting Party shall be obliged to grant to the designated airlines of the other Contracting

8m-

LAB

Party, exemption or remission of customs duty, inspection fees or other similar charges unless such other Contracting Party grants exemption or remission of such duty, fees or charges to the designated airlines of the first Contracting Party.

ARTICLE VII

The designated airlines of each Contracting Party shall enjoy in all respects fair and equal opportunity in the operation of the agreed services on the specified routes.

2. In the operation of the agreed services by the designated airlines of one Contracting Party, the interests of the designated airlines of the other Contracting Party shall be taken into consideration so as not to affect unduly the services which the latter provide on the whole or part of the same route.

3. The capacity to be provided and the frequency of services to be operated shall be as agreed between the aeronautical authorities of the Contracting Parties in accordance with the principles laid down in paragraphs 1 and 2 of this Article and by taking into consideration the estimated requirements of traffic to be jointly agreed.

4. Any increase in the capacity to be provided or frequency of services to be operated by the designated

fm.

KAH

airlines of either Contracting Party shall be as agreed between the aeronautical authorities. Pending such agreement or settlement, the capacity and frequency entitlements already in force shall prevail.

5. The capacity to be provided, the frequency of services to be operated as agreed to in accordance with the provisions of this Article, shall be specified in an exchange of letters between the aeronautical authorities of the Contracting Parties.

ARTICLE VIII

Each Contracting Party shall cause its designated airlines to supply to the aeronautical authorities of the other Contracting Party, as long in advance as practicable prior to the inauguration of the agreed services, information relating to the type of service, the type of aircraft to be used, the flight schedules, the tariff schedules, and all other relevant information concerning the operation of the agreed services including such information as may reasonably be required to satisfy the aeronautical authorities that the requirements of the present Agreement are being duly observed. The provisions of this Article shall like-wise apply to any changes concerning the agreed services.

...../11

ARTICLE IX

8m. The aeronautical authorities of either Contracting Party shall furnish to the aeronautical authorities of the other Contracting Party statistics relating to the traffic carried during each month on their air services to or from the territory of the other Contracting Party showing the points of embarkation and disembarkation of such traffic. Such statistics shall be furnished as early as possible and in any case within ninety days of the period to which they relate.

ARTICLE X

1000 The tariffs to be charged by any designated airline of a Contracting Party for carriage of passengers, cargo and baggage on the agreed services on the specified routes shall be fixed by agreement between the designated airlines of both Contracting Parties and shall be submitted for the approval of the aeronautical authorities of both Contracting Parties before their introduction. If the designated airlines fail to agree, the matter shall be referred to the aeronautical authorities of the Contracting Parties.

2. The tariffs agreed by the designated airlines of the Contracting Parties shall be submitted for the approval of the aeronautical authorities of both Contracting Parties as soon as possible, and in any case at least 60 days before the proposed date of their introduction. If neither of the aeronautical authorities express disapproval within 45 days from

...../12

KAR

the date of receipt of the said tariffs, these shall be considered as approved.

3. In the event that tariffs are not fixed in accordance with paragraph 1 of this Article or that the aeronautical authorities of any Contracting Party disapprove of the tariffs so fixed, the aeronautical authorities of the Contracting Parties shall endeavour, as expeditiously as possible, to determine the tariffs by mutual agreement. Should the aeronautical authorities of the Contracting Parties fail to reach such agreement, the matter shall be referred to the Contracting Parties for settlement.

ARTICLE XI

The aeronautical authorities of the two Contracting Parties shall exchange views regularly on the application and interpretation of the present Agreement.

ARTICLE XII

Consultations may be requested at any time by either Contracting Party for the purpose of initiating any amendment to the present Agreement. Consultations may also be required on matters concerning the interpretation and application of the present Agreement if either Contracting Party considers that an exchange of views within the meaning of Article XI has been inconclusive. Such consultations

shall begin within a period of sixty days from the date of request. Any amendment agreed between the two Contracting Parties shall come into force on the date to be mutually determined and confirmed by an exchange of diplomatic notes.

ARTICLE XIII

sm. If any dispute arises relating to the interpretation or application of the present Agreement, the aeronautical authorities of the Contracting Parties shall endeavour to settle it by negotiation between themselves, failing which the dispute shall be referred to the Contracting Parties for settlement.

ARTICLE XIV

Each Contracting Party shall grant to the designated airlines of the other Contracting Party the right to transfer to its head office in a freely convertible currency the excess of receipts over expenditure resulting from the operation of the agreed services on the specified routes, subject to fulfilment of exchange control formalities of the Contracting Party concerned.

ARTICLE XV

The Annex to the present Agreement shall be deemed to be a part of the Agreement.

LA

2. The present Agreement shall come into force on the date of signature thereof.

ARTICLE XVI

Either Contracting Party may, at any time, give written notice to the other of its desire to terminate the present Agreement. If such notice is given, the present Agreement shall terminate twelve months after the date of receipt of the notice by the other Contracting Party unless the aforesaid notice is withdrawn by agreement before the expiry of this period.

DONE at Dacca, this 5th day of May 1978 in six originals, two each in the English, Hindi and Bengali languages, all the texts being equally authentic. In case of any divergence of interpretation, the English text shall prevail.



(K. P. S. Menon)

For the Government
of the Republic of India



(A. B. M. GHULAM MOSTAFA)

For the Government of the
People's Republic of Bangladesh

A N N E X

Section I

The airlines designated by the Government of the People's Republic of Bangladesh shall be entitled to operate the agreed services in both directions on the routes specified in this Section and to land for traffic purposes in the territory of the Republic of India at the points specified therein.

Points of origin	Intermediate points	Points in the Republic of India	Points beyond
1. Bangladesh	Nil	Calcutta	Nil
2. Bangladesh	Nil	Bombay	a) Bahrain or Dubai; b) Baghdad or Cairo; c) Athens or Belgrade or East Berlin or Prague; d) Frankfurt or Brussels or Amsterdam; e) London.

- NOTES: 1. On the sector Bombay/Frankfurt/Bombay, the airlines designated by the Government of the People's Republic of Bangladesh shall not carry any passenger traffic.
2. Points mentioned above need not be served in the order specified.
3. Any point or points on the specified routes may be omitted at the option of the designated airlines.
4. The word 'or' when used between two or more points in the column 'points beyond' shall mean that only one point from each set may be served by the designated airlines on all their services. The option reserved to the airlines to select such a point shall be exercised only once every six months and no second option shall be available in respect of the same set of points during such period.

Section II

The airlines designated by the Government of the Republic of India shall be entitled to operate the agreed services in both directions on the routes specified in this Section and to land for traffic purposes in the territory of the People's Republic of Bangladesh at the points specified therein.

Points of origin	Inter-mediate points	Points in the People's Republic of Bangladesh	Points beyond
1. India	Nil	a) Dacca b) Chittagong	Nil Nil
2. India	Nil	Dacca	a) Rangoon or Hanoi or a point in Australia to be selected by the airlines designated by the Government of the Republic of India out of Perth and Sydney; b) Vientien or Saigon or Jakarta or Manila; c) Hongkong or Singapore or a point in Malaysia to be selected by the airlines designated by the Government of the Republic of India out of Kuala Lumpur and Penang; d) Osaka; e) Tokyo.

- NOTES: 1. On the sector Dacca/Singapore/Dacca, the airlines designated by the Government of the Republic of India shall not carry any passenger traffic.
2. Points mentioned above need not be served in the order specified.
3. Any point or points on the specified routes may be omitted at the option of the designated airlines.
4. The airlines designated by the Government of the Republic of India shall not serve Dacca & Chittagong on the same flight.
5. The word 'or' when used between two or more points in the column 'points beyond' shall mean that only one point from each set may be served by the designated airlines on all their services. The option reserved to the airlines to select such a point shall be exercised only once every six months and no second option shall be available in respect of the same set of points during such period.

...

SM.

VCH